14 मार्च 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

जल्द हो बिहटा एयरपोर्ट का निर्माण ताकि यात्रियों को मिले सहूलियत: सीएम नीतीश

2

शांति और उल्लास के साथ मनाएं होली: योगी

एजेंसी/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को होलिका दहन के अवसर पर पांडे हाता चौक से परंपरागत रूप से निकाली जाने वाली शोभा यात्रा मैं शामिल होकर उपस्थित लोगों के साथ अबीर, गुलाल और फूलों की होली खेली। इस दौरान उन्होंने भगवान प्रहलाद की आरती भी उतारी, उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व शांति, सौहार्द और उमंग का पर्व है। इसे शांति और उल्लास के साथ मनाएं और दूसरों की भावनाओं का भी ख्याल रखें। विगत 98 वर्षों से अनवरत निकाले जाने वाली भक्त प्रहलाद की शोभायात्रा प्रत्येक की भांति इस भी वर्ष पांडे हाता चौक से बैंड बाजे,घोड़े ,हाथी , रथ और विभिन्न सामाजिक संदेश देती झांकियां के साथ बड़ी भव्यता और परंपरा के साथ निकाली गई। बेहद उमंग और उल्लास के साथ इस त्यौहार को मनाने की परंपरा रही है। हम अपनी संस्कृति और सभ्यता के साथ इस पर्व को मनाते आ रहे हैं। और आगे भी यह परंपरा निर्विघ्न रूप से चलती रहेगी। आज के दिन पांडे हाता से निकाली जाने वाली इस शोभायात्रा का पिछले कई वर्षों से मैं भी साक्षी रहा हूं। इस भव्य और पारंपरिक आयोजन के लिए कमेटी के अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों को होली की शुभकामनाओं के साथ बधाई देता हूं।

हैदराबाद में बिना सहमति के रंग डालने पर रोक

एजेंसी/हैदराबाद

होली के पर्व को देखते हुए हैदराबाद पुलिस ने शहर में त्योहार मनाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और गड़बड़ी को रोका जा सके। गाइडलाइन के मुताबिक बगैर सहमति से किसी भी शख्स पर रंग डालना या पानी फेंकना पूरी तरह से वर्जित किया गया है।

हैदराबाद सिटी पुलिस ने 14 मार्च को होली के त्योहार से पहले सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ये सख्त गाइडलाइन जारी की है. गाइडलाइन के अनुसार, बगैर सहमति के किसी पर रंग या पानी फेंकना, बिना सहमति के वाहनों या सार्वजनिक स्थानों पर रंग डालना और सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने वाले वाहनों की आवाजाही पर सख्त पाबंदी है। शहर के पुलिस

कमिश्नर सीवी आनंद की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह आदेश 13 मार्च, 2025 को शाम 6 बजे से 15 मार्च, 2025 को सुबह 6 बजे तक प्रभावी रहेगा. नियम तोड़ने वालों पर हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम, 1348 की धारा 76 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें विरोध को बढ़ावा देने या निर्देश का पालन करने से इनकार करने और कर्फ्यू का उल्लंघन करने जैसे अपराधों पर अलग-अलग सजा का प्रावधान है।

बीजेपी ने बताया हिन्दू विरोधी फैसला: गोशामहल से बीजेपी विधायक टी राजा सिंह ने तेलंगाना में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि जब से तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनी है, तब से हिंदू मंदिरों पर हमले हो रहे हैं, हिंदू त्योहारों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने होली समारोह पर प्रतिबंध की आलोचना करते हुए सरकार को हिंदुओं के प्रति पक्षपातपूर्ण बताया है। इससे पहले, तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद झील में भगवान गणेश की मूर्तियों के विसर्जन पर रोक लगा दी थी और दिवाली समारोह के संबंध में भी पाबंदियां लगाने वाली गाइडलाइन जारी की थी।

होली पर छुट्टी की सूचना

होली के अवसर पर 14 और 15 मार्च को केशव टाइम्स में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 17 को जारी होगा।

खबरें फटाफट

लीलावती अस्पताल में फर्श के नीचे से मिला इंसानी हड्डियों और बालों से भरा कलश

मुंबई। मुंबई के लीलावती अस्पताल में फर्श के नीचे से इंसानी हड्डियों और बालों से भरा कलश मिलने के बाद पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। मौजूदा ट्रस्टियों ने इस घटना को काले जादू से जोड़ा है और इसके पीछे पूर्व ट्रस्टियों का हाथ होने का दावा किया है। इतना ही नहीं, अस्पताल से जुड़े करोड़ों के घोटाले का मामला भी उजागर हुआ है। लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट के वर्तमान ट्रस्टी प्रशांत किशोर ने बताया कि कुछ पुराने कर्मचारियों ने उन्हें अस्पताल के अंदर काले जादू की गतिविधियों के बारे में बताया। जानकारी मिलते ही अस्पताल के एक केबिन की फर्श की खुदाई करवाई गई। इस खुदाई में इंसानी हड्डियों और बालों से भरे 8 कलश बरामद किए गए। जब अस्पताल के ट्रस्टियों ने इस घटना की शिकायत बांद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाने की कोशिश की तो पुलिस ने इसे दर्ज करने से मना कर दिया। इसके बाद ट्रस्टियों ने अदालत का रुख किया और अब कोर्ट के निर्देश पर इस मामले की जांच शुरू हो चुकी है।

फुलकाहा में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने आया था अपराधी

अररिया में अपराधी को छुड़ाने पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस पर बोला हमला, एएसआई की मौत

- पुलिस ने घेराबंदी कर अपराधी को पकड़ लिया था, लेकिन ग्रामीणों ने एकजुट होकर पुलिस पर हमला बोल दिया, इसी में एएसआई की चली गई जान

केटी न्यूज/पटना

बिहार के अररिया जिले में बुधवार-गुरुवार की मध्य रात्रि में ग्रामीणों ने पुलिस पर हमला बोल दिया। इसमें एक एएसआई की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार फुलकाहा थाने के एएसआई राजीव कुमार एक अपराधी को पकड़ने के लिए लक्ष्मीपुर गांव गए थे। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले भी लिया था, लेकिन उसे छुड़ाने के लिए अचानक ग्रामीणों की भीड़ आ गई और पुलिस पर हमला कर दिया। इस दौरान हुई धक्का-मुक्की में एएसआई गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने एएसआई का शव पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद पुलिस ने एएसआई की हत्या के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में ललित कुमार यादव, प्रभु कुमार यादव, प्रमोद कुमार यादव, शंभू यादव, कुंदन यादव और ललन कुमार यादव शामिल हैं।

दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि नरपतगंज का एक अपराधी एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए फुलकाहा आ रहा है। पुलिस ने घेराबंदी कर अपराधी को पकड़ भी लिया था, लेकिन ग्रामीणों ने एकजुट होकर पुलिस पर हमला बोल दिया। इस दौरान हुई अफरातफरी में एएसआई राजीव कुमार बुरी तरह घायल हो गए और उनकी जान चली गई। पुलिस अब इस घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर रही है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

एएसआई राजीव कुमार मल्ल मुंगेर के रहने वाले थे। इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। बता दें कि बीते बुधवार की शाम ही बिहार के सीतामढ़ी में भी पुलिस की टीम पर हमला हुआ था। सीतामढ़ी के परसौनी थाना के भुल्ली गांव में शराब बिक्री की सूचना पर पुलिस छापेमारी के लिए गई थी। इस दौरान पुलिस पर हमला कर दिया गया।

अररिया एसपी बोले... पीट-पीटकर हत्या की बात नहीं है

अररिया के एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि पीट-पीटकर हत्या की बात नहीं है। फुलकाहा थाना क्षेत्र में लक्ष्मीपुर गांव है। एक अपराधी अनमोल यादव है जो नरपतगंज का रहने वाला है। उसके आने की सूचना थी। उसी सूचना पर फुलकाहा थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस रात में छापेमारी करने के लिए गई थी। एसपी ने कहा कि छापेमारी के दौरान अनमोल यादव को पकड़ भी लिया गया था। पकड़ने के बाद ग्रामीण जो उसके सहयोगी थे वे जुट गए। वे लोग जबरदस्ती छुड़ा ले गए। इसी क्रम में पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। एएसआई राजीव कुमार मल्ल अचेत अवस्था में होकर गिर गए। तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त: अखिलेश सिंह

अररिया में कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार करने गए एएसआई राजीव कुमार की मौत की घटना पर राजनीति तेज हो गई है। विपक्षी दल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर हमला किया है। अखिलेश सिंह ने कहा है कि बिहार अब राम भरोसे चल रहा है। राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने भी राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल किया है तो जदयू के अभिषेक झा ने विरोधियों पर पलटवार किया है। अखिलेश सिंह ने कहा है कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री के हाथ में कुछ भी नहीं है। सीएम वही कर रहे हैं जो भाजपा उन्हें कह रही है। उन्होंने कहा कि बिहार अब भगवान के भरोसे चल रहा है। नीतीश कुमार में अब राज्य को संभालने की ताकत नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूरी ताकत के साथ कमर कसकर उतरेगी। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी पुलिस पदाधिकारी राजीव कुमार मल्ल की हत्या को लेकर प्रदेश की सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर सरकार के कंट्रोल से बाहर हो गया है। अपराधी बेखौफ होकर लूट, हत्या, बलात्कार की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने मृत पुलिसकर्मी के घर जाकर परिजनों से मिलने की भी बात कही। राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने इस घटना को बिहार की कानून व्यवस्था का फेल्योर बताया।

सरयू नदी में रील्स बना रहे तीन दोस्तों की डूबने से मौत

सीवान जिले के दरौली थाना क्षेत्र में हुई घटना

- दोन-मंगरौली गांव के रहने वाले थे तीनों दोस्त
- बाजार जाने की बात कह तीनों निकले थे घर से

केटी न्यूज/पटना

सीवान में होली से एक दिन पहले सरयू नदी में डूबने से तीन दोस्तों की मौत हो गई। बताया गया कि तीनों नदी में रील्स बना रहे थे, इसी दौरान नदी की गहराई में चले गए। जिसमें तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी मौत के बाद घरों में कोहराम मच गया है। परिवार वालों के लिए होली पर्व की खुशियां मातम में बदल गईं। मृतकों की पहचान मंगरौली निवासी रितेश पांडेय, सनी तिवारी और सूरज तिवारी के रूप में हुई है। सभी दोन-मंगरौली गांव के रहने वाले थे। घटना दरौली थाना क्षेत्र में पीपा पुल के पास हुई। परिजन के अनुसार बाजार में कुछ जरूरी काम करने की बात कहकर तीनों युवक घर से निकले थे। लेकिन वे सरयू नदी में नहाने चले गए। वहां मौजूद लोगों की मानें तो तीनों दोस्त एक साथ हाथ पकड़कर नदी में नहा रहे थे। नदी के किनारे मोबाइल रखकर वे रील्स बना रहे थे। तभी नदी में आए तेज बहाव से एक युवक दूर तक बह गया। उसे बचाने के चक्कर में उसके दो दोस्त भी डूब गए।

चिल्लाने और शोर मचाने के बाद भीड़ जमा हो गई। काफी मशक्कत के बाद तीनों युवकों को नदी से बाहर निकाला गया और उन्हें दरौली स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे सीओ विद्याभूषण भारती का कहना है कि प्रथमद्दष्टया नदी में नहाने के दौरान रिल्स बनाने के चक्कर में युवकों की मौत की बात सामने आ रही है।

बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत, तीन की हालत गंभीर

एजेंसी/इंदौर

मध्य प्रदेश के धार में बुधवार देर रात को भीषण सड़क हादसा हो गया। जिले के बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर बुधवार रात अचनाक रॉन्ग साइड से सड़क पर आए गैस से भरे टैंकर ने एक कार और पिकअप को टक्कर मार दी। इस हादसे में पिकअप और कार सवार कुल 7 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 3 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी लगते ही बदनावर एसडीओपी अरविंद सिंह तोमर और बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह मौके पर पहुंच गए। पुलिस के द्वारा शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा। बताया जा रहा है कि, टैंकर ने पहले पिकअप फिर कार को टक्कर मारी थी। वहीं, घटना के बाद गैस टैंकर का चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, रात करीब 11 बजे इंडेन गैस टैंकर क्रमांक जी जे 34 ए 8769 उज्जैन जा रहा था। बदनावर-उज्जैन बायपास पर टैंकर रांग साइड से आ रहा था। इसी दौरान टैंकर ने पहले बदनावर की ओर जा रहे पिकअप को टक्कर मारी। फिर उसके पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 14 सीडी 2552 कार को भी टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि, पिकअप वाहन टैंकर के नीचे घुस गया।

करोड़ों रु. के खनन घोटाला मामले में बीजेडी के प्रदेश उपाध्यक्ष गिरफ्तार

एजेंसी/भुवनेश्वर

ओडिशा पुलिस की अपराध शाखा ने गुरुवार को बीजू युवा जनता दल (बीजेडी) के प्रदेश उपाध्यक्ष सौम्य शंकर चक्र उर्फ राजा चक्र को करोड़ों रुपये के खनन और परिवहन घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण की मांग वाली याचिका को खारिज करने के बाद की गई। मामले में अपराध शाखा के अतिरिक्त डीजीपी सीआईडी विनयतोष मिश्रा ने बताया कि चक्र से पूछताछ की गई और उनके द्वारा घोटाले में की गई भूमिका को स्पष्ट करने के लिए कहा गया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा ने फरवरी 2025 में क्योंझर जिले में खनिज से समृद्ध गंधमर्दन लोडिंग (जीएमएल) एजेंसी और एक परिवहन सहकारी समिति लिमिटेड के कामकाज में अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग की शिकायत के आधार पर जांच शुरू की थी।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले... सभी राजनीतिक दलों को मिलकर निकालना होगा इसका हल

पेपर लीक युवाओं के लिए सबसे खतरनाक पद्मव्यूह बना

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पेपर लीक को देश के युवाओं के लिए सबसे खतरनाक पद्मव्यूह बताया है। उन्होंने पेपर लीक से जुड़ी एक खबर की क्लिपिंग शेयर शेयर करते हुए पर लिखा, 6 राज्यों में 85 लाख बच्चों का भविष्य खतरे में, पेपर लीक हमारे युवाओं के लिए सबसे खतरनाक पद्मव्यूह बन गया है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि पेपर लीक मेहनती छात्रों और उनके परिवारों को अनिश्चितता और तनाव में धकेल देता है, उनके परिश्रम का फल उनसे छीन लेता है। साथ ही यह अगली पीढ़ी को गलत संदेश देता है कि बेईमानी, मेहनत से बेहतर हो सकती है, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

नीट एग्जाम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अभी एक साल भी नहीं हुआ जब नीट पेपर लीक ने देश को झकझोर दिया था। हमारे विरोध के बाद मोदी सरकार ने नए कानून के पीछे छुप कर उसे समाधान बताया, लेकिन इतने सारे हालिया लीक ने उसे भी विफल साबित कर दिया। राहुल गांधी ने पेपर लीक की समस्याओं को सिस्टेमेटिक फेलियर बताते हुए कहा कि इसका खात्मा सभी राजनीतिक दलों और सरकारों को मतभेद भुलाकर, मिलकर कड़े कदम उठाने से होगा। इन परीक्षाओं की गरिमा बनी रहना हमारे बच्चों का अधिकार है और इसे हर हाल में सुरक्षित रखना होगा।

राहुल गांधी ने संसद के मानसून सत्र में भी पद्मव्यूह शब्द का जिक्र किया था। राहुल गांधी ने कहा था कि हजारों साल पहले कुरूक्षेत्र में 6 लोगों ने अभिमन्यु को 'चक्रव्यूह' में फंसा कर मारा था। मैंने थोड़ा रिसर्च किया और पता चला कि 'चक्रव्यूह' का दूसरा नाम होता है 'पद्मव्यूह'- जिसका अर्थ है 'कमल निर्माण'। 'चक्रव्यूह' कमल के फूल के आकार का है। 21वीं सदी में एक नया 'चक्रव्यूह' रचा गया है- वो भी कमल के फूल के रूप में तैयार हुआ है। इसका चिन्ह प्रधानमंत्री अपने सीने पर लगाकर चलते हैं। अभिमन्यु के साथ जो किया गया, वह भारत के साथ किया जा रहा है - युवा, किसान, महिलाएं, छोटे और मध्यम व्यवसाय के साथ वही किया जा रहा है। आपने जो 'चक्रव्यूह' बनाया है इससे करोड़ों लोगों को नुकसान पहुंच रहा है।

शेखपुरा नगर परिषद की वार्ड पार्षद की सदस्यता रद्द की गई

- तीन बच्चों की मां होने के बाद भी वार्ड संख्या चार की पार्षद उमा देवी ने अपने हलफनामे में सिर्फ दो संतान होने की दी थी जानकारी
- चुनाव आयोग ने मामले की जांच में आरोप सही पाने के बाद की कार्रवाई

केटी न्यूज/पटना

शेखपुरा नगर परिषद के वार्ड संख्या 4 की पार्षद उमा कुमारी उर्फ उमा देवी की सदस्यता रद्द कर दी गई है। उमा देवी ने अपने हलफनामे में गलत जानकारी देकर चुनाव जीता था। चुनाव आयोग के नियमानुसार, जिस उम्मीदवार के दो से अधिक संतान होती हैं, वह चुनाव नहीं लड़ सकता। इसके बावजूद, तीन बच्चों की मां होने के बावजूद उमा देवी ने अपने हलफनामे में सिर्फ दो संतान होने की जानकारी दी और चुनाव जीत गई थीं। वार्ड संख्या 4 से चुनाव लड़ चुकीं महेश यादव की पत्नी पिंकी देवी ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई कि उमा कुमारी ने अपने हलफनामे में तीसरी संतान की जानकारी छुपाई है। चुनाव आयोग ने मामले की जांच कराई और आरोप सही पाए गए। इसके बाद आयोग ने बर्खास्तगी का आदेश जारी कर जिला पदाधिकारी और नगर परिषद को पत्र भेज दिया। अब उमा कुमारी पार्षद पद से बर्खास्त हो चुकी हैं और उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। शिकायत के बाद राज्य चुनाव आयोग ने शेखपुरा डीएम को जांच के निर्देश दिए। डीएम के आदेश पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी धर्मेश कुमार ने जांच की। इस दौरान वारसलीगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की आशा कार्यकर्ता संजू रानी ने पुष्टि की कि उमा कुमारी की तीसरी संतान का जन्म उनके देखरेख में हुआ था। इसके अलावा, नवादा जिले के वारसलीगंज थाना क्षेत्र स्थित मीरबीघा गांव निवासी उमा कुमारी की बहन रिंकू देवी ने भी बताया कि तीसरी संतान को छुपाने के लिए गलत जानकारी दी गई थी। अब होगी कानूनी कार्रवाई

राज्य निर्वाचन आयोग ने डीएम सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) को निर्देश दिया है कि बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 की धारा 447 व भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। डीएम से इसकी रिपोर्ट चुनाव आयोग को भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं। अब उमा कुमारी न केवल पार्षद पद से हटाई जा चुकी हैं, बल्कि उन पर आपराधिक मामला भी दर्ज हो सकता है।

विधायक गोपाल मंडल के खिलाफ अश्लील भोजपुरी गीत गाने के आरोप में केस दर्ज

केटी न्यूज/पटना

बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के चर्चित विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल के खिलाफ अश्लील भोजपुरी गीत गाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला नवगछिया थाना में दर्ज हुआ है, जिसमें सार्वजनिक मंच पर अभद्र भाषा के प्रयोग और द्विअर्थी गीत गाने का आरोप लगाया गया है। यह घटना 10 मार्च को नवगछिया के इंटर स्तरीय उच्च विद्यालय परिसर में आयोजित होली मिलन समारोह के दौरान हुई। कार्यक्रम में भोजपुरी गायक छैला बिहारी अपनी प्रस्तुति दे रहे थे, और मंच पर महिला कलाकार भी मौजूद थीं। इस दौरान विधायक गोपाल मंडल ने भोजपुरी गीत पर नृत्य करते हुए कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया। प्राथमिकी में यह भी उल्लेख है कि विधायक ने अनुमंडल दंडाधिकारी (एसडीओ) के आदेशों का उल्लंघन किया। मामले की जांच के लिए पुलिस ने वायरल वीडियो से संबंधित एक पेन ड्राइव जब्त कर ली है।

विधायक गोपाल मंडल ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्होंने अश्लील भाषा का प्रयोग नहीं किया। उन्होंने सफाई दी कि जब वे माइक लेकर झुके, तो भीड़ में किसी अन्य व्यक्ति ने अभद्र शब्द बोले, जिन्हें गलत तरीके से उनके नाम से जोड़ा जा रहा है।

एयरपोर्ट टर्मिनल का निरीक्षण करने पहुंचे सीएम नीतीश कुमार, बोले...

जल्द हो बिहटा एयरपोर्ट का निर्माण ताकि यात्रियों को मिले सहूलियत

केटी न्यूज/पटना

2025 में बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं इससे पहले बिहार और पटना में चल रहे विकास के सभी कार्यों का जायजा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ले रहे हैं। इसी दौरान वह पटना में एयरपोर्ट टर्मिनल का निरीक्षण करने पहुंच गये। उन्होंने एयरपोर्ट टर्मिनल के निर्माण, यहां विकसित होने वाली सुविधाओं और अन्य प्रकार की भी जानकारी ली। निरीक्षण करने के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एयरपोर्ट टर्मिनल पर शेष बचे कार्यों को यथाशीघ्र पूरा कीजिये। निरीक्षण करने के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि एयरपोर्ट टर्मिनल के निर्माण का कार्य बहुत दिनों से चल रहा था, अब यह काम पूरा कर लिया गया है। एयरपोर्ट टर्मिनल पर बहुत काम हुआ है, जिससे लोगों को अब ढेर सारी सुविधा मिलेगी। एयरपोर्ट टर्मिनल निर्माण के माध्यम से इसका विस्तार हुआ है, जिससे आने वाले दिनों में यात्रियों को विभिन्न तरह की सुविधायें मिलेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूरे नवनिर्मित एयरपोर्ट टर्मिनल का जायजा लिया। इस मौके पर उनके सभी अधिकारी भी शामिल थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के शुरूआत होने के बाद यात्रियों को कई प्रकार की सुविधा मिलने लगेगी। इससे पटना एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ेगी। फिलहाल यहां से 30 लाख लोग सफर करते हैं, लेकिन नए टर्मिनल के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 1 करोड़ तक पहुंच सकता है। नए टर्मिनल के उद्घाटन के बाद पटना

एयरपोर्ट से एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की भी तैयारी है। जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के निरीक्षण के दौरान कैफेटेरिया, आधुनिक लांज, पार्किंग, चेक इन काउंटर समेत टर्मिनल के विभिन्न भागों का मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि जून माह तक सारे कार्य पूर्ण कर लिये जायेंगे। यहां 11 एयरो स्टेशन बनाये जा रहे हैं।

फिर मुख्यमंत्री ने बिहटा में बनाये जानेवाले अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि यह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा आधुनिक सुविधाओं से लैश होगी। हवाई यातायात को बेहतर बनाने के लिये यहां आधुनिकतम व्यवस्थायें की जायेगी। यहां 10 ऐयरो स्टेशन होंगे। मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन खगौल बिहटा ऐलिवेटेड सड़क का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग चाहते हैं कि जल्द से जल्द बिहटा एयरपोर्ट का निर्माण हो ताकि लोगों को हवाई यात्रा में और सहूलियत हो। जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, पटना और बिहटा एयरपोर्ट से इंटरनेशनल फ्लाइट की शुरूआत होगी, जिसका लाभ बिहार के लोगों को मिलेगा। विभिन्न जगहों के लोगों को कहीं भी विमान से आने-जाने में सहूलियत होगी। जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा से बिहटा एयरपोर्ट तक कम से कम समय में पहुँचने के लिये खगौल बिहटा ऐलिवेटेड सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण से और कनेक्टिविटी बढ़ेगी तथा पटना एयरपोर्ट पर पड़नेवाला भार भी कम होगा। साथ ही रोजगार और कारोबार के अवसर भी बढ़ेंगे।

भागलपुर में युवक की गला दबाकर हत्या

भागलपुर। भागलपुर जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र के श्यामपुर पंचायत अंतर्गत गगलदेई गांव में एक युवक की गला दबाकर हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने शव बहियार में देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान गगलदेई गांव निवासी जागो मंडल के 35 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक के परिजनों द्वारा पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। बुधवार रात करीब 11 बजे सौरभ अपने तीन दोस्तों के साथ गांव के समीप धागढशाही बस्ती में शराब पीने गया था। आशंका है कि शराब के नशे में किसी बात को लेकर विवाद हुआ और गुस्से में दोस्तों ने गमछे से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। बाद में शव को बहियार में फेंक दिया गया।

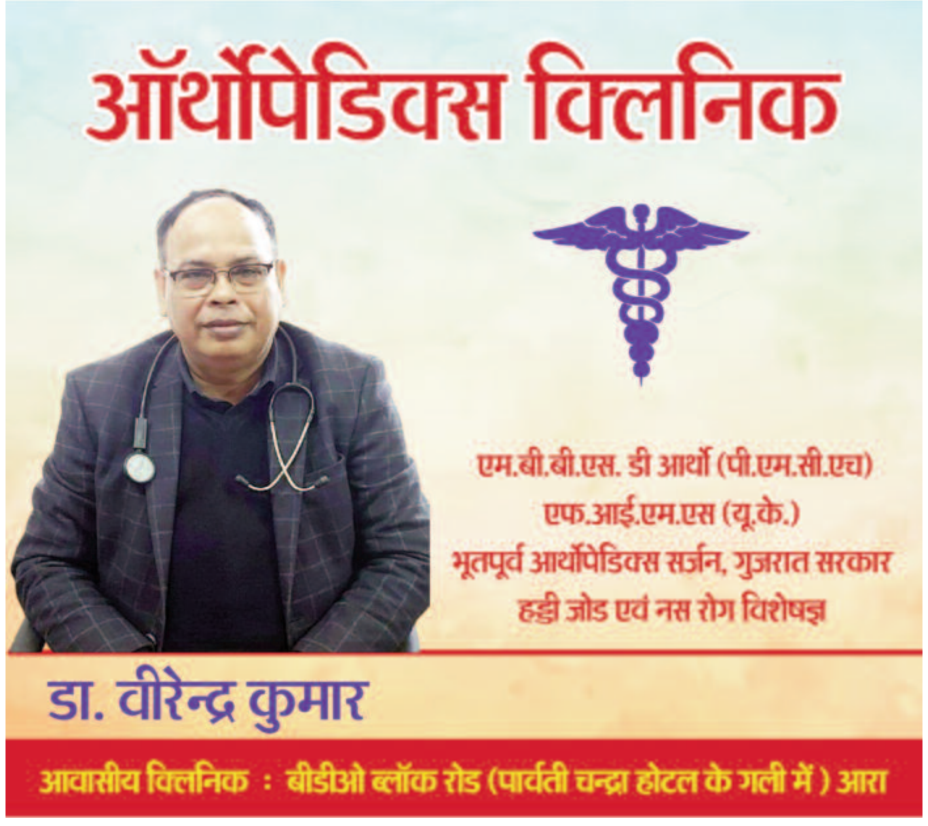

गया जिला में एक महिला समेत दो लोगों की हत्या, मची सनसनी

केटी न्यूज/पटना

बिहार के गया जिला अंतर्गत बेलागंज एवं चाकंद थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित दो लोगों की हत्या कर दी। पहली घटना चाकंद थाना क्षेत्र के बीथो गांव की है, जहां एक खंडहरनुमा मकान में ग्रामीणों के निशानदेही पर पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। वहीं दूसरी घटना बेलागंज थाना क्षेत्र के घासी बिगहा गांव की है, जहां पति ने पीट-पीटकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। मृत महिला के पिता ने अपनी बेटी की हत्या कर देने का आरोप लगाते हुए बेलागंज थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं बीथो गांव में हुई घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है।

पहली घटना चाकंद थाना क्षेत्र के बीथो गांव का है, जहां गांव के एक खंडहरनुमा मकान में ग्रामीणों के निशानदेही पर पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया। मृतक की पहचान कंडी गांव निवासी 42 वर्षीय अरविन्द राम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार हत्या के कारणों की पता अभी नहीं स्पष्ट हो पाया है। जबकि ग्रामीणों के अनुसार हत्या का मामला पूर्व से चला आ रहा दो पक्षों का विवाद बताया जा रहा है। मृतक की पहचान कंडी गांव निवासी अरविन्द राम के रूप में हुई है।

दूसरी घटना बेलागंज थाना क्षेत्र के घासी बिगहा गांव की है, जहां एक महिला की हत्या उसके पति और ससुराल वालों ने पीट-पीटकर कर दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची बेलागंज थाना की पुलिस ने शव को अंतःपरीक्षण के लिए मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया। मृत महिला घासी बिगहा गांव निवासी उदय यादव की पत्नी उषा देवी (30) थी।

कपड़ा खरीदने बाजार जा रहे दो युवकों की सड़क हादसे में मौत

केटी न्यूज/पटना

गया जिले के आमस थाना क्षेत्र के लेम्बुईया गांव के पास गुरुवार को सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मी युवक को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों युवक एक ही बाइक से कपड़ा खरीदने मदनपुर जा रहे थे। इसी दौरान एनएच-2 पर एक तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने एनएच-2 को जाम कर दिया, लेकिन पुलिस ने समझा-बुझाकर जाम हटवाया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया।

मृतकों की पहचान पथरा गांव निवासी संजय यादव के 21 वर्षीय पुत्र सतीश कुमार और संजय यादव के 20 वर्षीय पुत्र प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। दोनों युवक कोलकाता मेट्रो में काम करते थे और होली के लिए घर आए थे। तीसरा युवक रंजीत कुमार, जो आमस प्रखंड कार्यालय के पास होटल चलाता था, भी उनके साथ था। हादसे में सतीश और रंजीत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रदीप जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। मृतक सतीश की शादी अगले महीने अप्रैल में औरंगाबाद में तय थी।

बिहार तकनीकी सेवा आयोग ने 7274 पदों पर भर्ती की घोषणा की

खुशखबरी... मेडिकल से जुड़े पदों पर आवेदन का मौका

केटी न्यूज/पटना

बिहार तकनीकी सेवा आयोग ने स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर की भर्ती के बाद अब चार नई भर्तियों के लिए विज्ञापन जारी किया है। ये भर्तियां डेंटिस्ट, ड्रेसर, फार्मासिस्ट और जनरल मेडिकल ऑफिसर के पदों के लिए की जा रही हैं। जो उम्मीदवार इन पदों के लिए योग्य हैं, वे बीटीएससी की आधिकारिक वेबसाइट (btsc.bihar.gov.in) पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत इच्छुक अभ्यर्थी 8 अप्रैल 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए उम्मीदवार को अपनी पसंदीदा भर्ती के लिंक पर जाकर फॉर्म भरना होगा। हर पद के लिए अलग-अलग लिंक दिए गए हैं, इसलिए आवेदन करते समय सही लिंक पर क्लिक करके फॉर्म भरें। बिहार तकनीकी सेवा आयोग ने 7274 पदों पर भर्ती की घोषणा की है। इनमें फार्मासिस्ट के 2473 पद, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी (जनरल मेडिकल ऑफिसर) के 667 पद, ड्रेसर के 3326 पद,

और डेंटिस्ट के 808 पद शामिल हैं।

फार्मासिस्टः फार्मासिस्ट के पदों पर आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए कुछ आवश्यक शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। अभ्यर्थी का बारहवीं कक्षा (10+2) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, साथ ही उसे सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी संस्थान से डिप्लोमा इन फामेर्सी के सभी भागों (क, क्क और क्क्क) को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, आवेदक का बिहार फामेर्सी काउंसिल में पंजीकृत (रजिस्टर्ड) होना भी जरूरी है।

जनरल मेडिकल ऑफिसरः सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी के पद के लिए अभ्यर्थी को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया या राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एमबीबीएस स्नातक होना अनिवार्य है। इसके समकक्ष कोई अन्य डिग्री भी मान्य होगी, बशर्ते वह संबंधित नियामक संस्थान द्वारा स्वीकृत हो। चिकित्सा अधिकारी के पद पर चयनित उम्मीदवारों को राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों एवं चिकित्सा संस्थानों में नियुक्त किया जाएगा। इस पद के लिए केवल उन्हीं उम्मीदवारों को पात्र माना जाएगा, जो अपनी शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ आवश्यक मेडिकल रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को भी पूरा कर चुके होंगे।

ड्रेसर और डेंटिस्टः ड्रेसर के पद पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार का न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के रूप में मैट्रिक (10वीं) या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके अलावा, अभ्यर्थी को बिहार राज्य सरकार या किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से सीएमडी प्रमाण पत्र प्राप्त होना चाहिए। वहीं, डेंटिस्ट पद के लिए उम्मीदवारों को भारतीय दंत चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी की डिग्री या इसके समकक्ष योग्यता प्राप्त करनी होगी।

फ्लैग मार्च निकाल प्रशासन ने दिया सौहार्दपूर्ण माहौल में होली मनाने का संदेश

♦ नया भोजपुर में एसडीएम व डीएसपी के नेतृत्व में निकला फ्लैग मार्च, शामिल थे सैकड़ों पुलिसकर्मी, बूटों की थाप व सायरन से उपद्रवी तत्वों में मचा हड़कंप

केटी न्यूज/डुमरांव

होली के मद्देनजर प्रशासन काफी सतर्क है। इसी कड़ी में गुरूवार को एसडीएम राकेश कुमार व डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के नेतृतव में नया भोपजुर में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च निकाल प्रशासन ने उपद्रवी तत्वों को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि होली पर उपद्रव करने या शरारत करने पर प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा तथा ऐसे लोगों पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाएगा। एसडीएम ने कहा कि होली रंगो का त्योहार है। इस त्योहार को आपस में मिलजुलकर मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन होली को शांतिपूर्ण निपटाने के लिए काफी तत्पर है। एसडीएम ने कहा कि अराजकता या उपद्रव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि होली के दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी तैनात रहेंगे। किसी को भी होली के रंग में भंग डालने की इजाजत नहीं दी जाएगी। वहीं डीएसपी अफाक ने कहा कि होली के मद्देनजर सभी थानों को एलर्ट कर दिया गया। संवेदनशील इलाके में विशेष चौकसी बरती जा रही है। पुलिस के जवान गश्त कर इलाके में विधि-व्यवस्था का जायजा ले रहे है। इसे अलावे सीसीटीवी कैमरे से भी निगाहबानी की जा रही है। डीएसपी ने कहा कि होली पर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों और जबरन रंग लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। फ्लैग मार्च मुख्य बाजार, संवेदनशील इलाकों और प्रमुख चौक-चौराहों से होकर गुजरा। एसडीएम और एसडीपीओ ने पुलिस जवानों के साथ पैदल गश्त कर स्थानीय लोगों से शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में होली मनाने की अपील की फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और समाजसेवियों से भी सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस मार्च का उद्देश्य कानून-व्यवस्था बनाए रखना और असामाजिक तत्वों को चेतावनी देना था। ताकि कोई हुड़दंग या शरारत न कर पाए। फ्लैग मार्च में बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, सीओ शमन प्रकाश और थानाध्यक्ष मनीष कुमार के अलावे बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल थे।

एक नजर

अनुमंडल पत्रकार संघ का होली मिलन समारोह संपन्न, शामिल हुए दर्जनों पत्रकार

डुमरांव। नगर के ट्रेनिंग स्कूल के पास स्थित स्थित सर्किट हाउस में अनुमंडल पत्रकार संघ के बैनर तले होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिलेभर के दर्जनों पत्रकारों ने एक दूसरे को गुलाल लगा होली की बधाई दी। इस मौके पर गीत-संगीत का भी आयोजन किया गया था, जिसमें पत्रकारों ने एक दूसरे को गले लगा जमकर ठुमके लगाए। इसके संचालन में वरिष्ठ पत्रकार रवि शंकर श्रीवास्तव के साथ पत्रकार सर्वेश राय, माले नेता संजय शर्मा, केटी न्यूज के मनीष कुमार, अजय राय की सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों ने जमक लजीज व्यंजनों का आनंद उठाया। इस लजीज व्यंजनों में माल पुआ की जमकर बड़ाई हुई, सभी ने छक कर खाया भी। इस अवसर पर केशो टाईम्स के सीईओ अरविंद कुमार चौबे, अरूण सिंह, राजीव कुमार भगत, वरूण सिंह, अजय सिंह, रंजीत पांडेय, अशोक कुमार, अमर केशरी, श्रीकांत दूबे, रजनी कांत दूबे, संजीव कुमार दूबे, जयप्रकाश मिश्र, दिनेश ओझा, विकास श्रीवास्तव, सुंदरलाल, सुमित कुमार पांडेय, सुजीत कुमार, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, संजय केशरी, अशोक कुमार नावानगर, विनीत दूबे, अमित ओझा, आलोक कुमार सिन्हा, विनय राय, गुलशन सिंह, चंद्रशेखर सिंह,

भोजपुरी कलाकारों ने बांधा शमां : डुमरांव अनुमंडल पत्रकार संघ के होली मिलन समारोह में क्षेत्र के चर्चित भोजपुरी कलाकार भी शामिल हुए तथा अपनी प्रस्तुति से शमा बांध दिए। उन्होंने अपनी प्रस्तुती से पत्रकारों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान भोजपुरी गायक अभिनंदन ओझा, विष्णु कुमार यादव तथा ज्योति कुमारी ने पारंपरिक होली गीतों को गाकर पत्रकारों का जमकर मनोरंजन किया। भोजपुरी कलाकारों द्वारा कई पारंपरिक होली गीत गाए गए। वहीं पत्रकार रविशंकर श्रीवास्तव उर्फ लाला ने अपने गीत व नृत्य ने एक अलग ही समां बांध दिया था। उनके नृत्य के सभी कायल हो गए।

होलिका दहन संपन्न, शनिवार को मनाई जाएगी होली

बक्सर। होलिका दहन का त्योहार गुरूवार की देर रात्रि संपन्न हो गया। शनिवार को रंगो का त्योहार होली मनाया जाएगा। होलिका दहन के साथ ही लोग होली की तैयारी में जुट गए है।बता दें कि होलिका दहन भगवान विष्णु के प्रिय भक्त प्रह्लाद व हिरणकश्यप की बहन होलिका की याद में मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों तथा आस पास से कूड़ा कचरा, सूखी टहनियां आदि एकत्रित कर उसे जलाते है। होलिका को बुराई का प्रतीक माना जाता है।होलिका दहन के साथ ही होली का उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया है। सबसे अधिक उत्साहित बच्चे व युवा है, जो गुरूवार की सुबह से ही एक दूसरे को रंग व गुलाल लगा होली मनाने लगे है। वहीं, होली को ले प्रशासन भी सतर्क हो गया है।

भोजपुर जिले का रहने वाला है मृतक युवक, हादसे के बाद भाग निकला ट्रैक्टर चालक

आलू लदी तेज रफ्तार ट्रैक्टर खाई में पलटी ट्रॉली के नीचे दबकर युवक की दर्दनाक मौत

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर-चौसा मार्ग पर गुरुवार तड़के दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लाढ़ुपुर नारा स्थित मोड़ पर तेज रफ्तार में जा रही आलू लदी एक ट्रैक्टर असंतुलित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। इस हादसे में ट्रैक्टर की ट्रॉली पर सो रहा 24 वर्षीय युवक ट्रॉली के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से कूदकर फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रॉली को सीधा कर आलू की बोरियां हटाकर युवक को बाहर निकाला। पुलिस ने मृतक की पहचान भोजपुर जिले के गिद्धा थाना अंतर्गत बिरमपुर गांव निवासी दीनबंधु यादव के पुत्र लव कुमार के रूप में की। उसके बाद इस घटना की सूचना

परिजनों को दी गई। शव का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक लव कुमार आलू व्यवसाय से जुड़ा था और अपने गांव से आलू लादकर चौसा बाजार आ रहा था। इसी दौरान यह दुर्घटना हो गई। बता दें कि चौसा सब्जी मंडी में गुरुवार को हॉट-बाजार लगता है। इधर, होली पर्व पर व्यवसायियों ने आलू मंगवाया था। जिसे लेकर वह व्यवसायी चौसा सब्जी मंडी जा रहा था, लेकिन मंडी पहुंचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि वहां पहले भी कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। इस मोड़ पर कोई प्रतीक चिन्ह नहीं है। जिससे घटना हो जाती है। लेकिन प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। इस हादसे से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार चालक को जल्द पकड़ने का प्रयास कर रही है। ट्रैक्टर नंबर के आधार पर चालक को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर में महिला की मौत

बक्सर। ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर में एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। आनन फानन में उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना गुरूवार को अपराह्न तीन बजे इटाढ़ी थाना क्षेत्र के जलवासी व इटाढ़ी के बीच की है। मृतका की पहचान स्थानीय थाना क्षेत्र के खनिता गांव निवासी काशीनाथ साह की 55 वर्षीय पत्नी सुमित्रा देवी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार वह अपने गांव से बाइक से इटाढ़ी आ रही थी। इसी दौरान वह जैसे ही जलवासी से आगे बढ़ी कि सामने से आ रही एक ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे बाइक के पीछे बैठी महिला नीचे गिर गई तथा गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसे डायल 112 की टीम ने तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं, पुलिस बाइक में टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर की तलाश में जुट गई है।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप शव : मुफस्सिल थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। पुलिस का कहना है कि आवेदन मिलने पर एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाएगी। हालांकि आगे की कार्रवाई करने का प्रयास किया जा रहा है।

चौसा नगर पंचायत मुख्य पार्षद ने सफाई कर्मियों संग खेली होली

चौसा। चौसा नगरपंचायत कार्यालय में गुरुवार को नगर पंचायत की मुख्य पार्षद किरण देवी की अध्यक्षता में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगरपंचायत क्षेत्र के सभी सफाईकर्मियों के साथ होली मनाई गई। मुख्य पार्षद किरण देवी ने सफाईकर्मियों को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाए दीं और उनके योगदान की सराहना की। मुख्य पार्षद ने कहा कि होली का त्योहार भारत की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने सभी नगरवासियों को आपसी भाईचारे और प्रेम के साथ इस त्योहार को मनाने का संदेश दिया। वही, पूर्व जिला पार्षद डा. मनोज कुमार यादव ने कहा कि होली बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है और वसंत ऋतु के आगमन का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें नई ऊर्जा और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में सभी ने रंग-गुलाल लगाकर एक-दूसरे को बधाइयां दीं।

होलीमय बना बाजार, पूरे दिन जमकर होती रही खरीददारी

केटी न्यूज/डुमरांव

होली पर्व को लेकर अनुमंडल मुख्यालय खरीदारी करने वाले ग्राहकों से पूरे दिन पटा रहा। छोटे बच्चों की भीड़ जहां पिचकारी के दुकानों पर लगी रहीं वहीं बड़ो की भीड़ कपड़ा और रेडिमेड पर। ग्रामीण क्षेत्र से आए महिला व पुरूष दिनभर खरीदारी करते रहे। वहीं बाहर से आने वाले ग्राहकों के कारण वाहन चालकों की भी चांदी कटती रही। टेम्पों, बस से लेकर निजी वाहनों से आने वाले भी बाजार की रौनक में शामिल थे। बाजार की मुख्य मंडी स्टेशन रोड, राजगढ़ चौक, शहीद गेट, चौक रोड, गोला रोड, जंगल बाजार रोड की दुकानों पर भीड़ उमड़ी रही।किराना के दुकानों पर घरेलू सामानों के खरीदारों में महिलाओं की संख्या पुरूषों से अधिक रही। वर्तमान समय में महिलाएं बाजार की कमान अधिकांश संभाल रहीं हैं। पहले घर की महिलाएं घरो में रहकर चौका-बर्तन की काम देखती थी। अब ऐसा नहीं है, घर के अलावे बाजार की जिम्मेवारी भी उन्होंने अपने कंधे पर ले रखा है। बच्चों का ड्रेस खरीदना हो या सिलवाना है, स्वयं जाती हैं। आज के जमाने की बात करें तो हर घर में पढ़ी-लिखी महिलाएं मिल जाएंगी, ऐसे में बाजार के भाव से काफी अवगत रहती हैं। परिवार के लोगों का कहना है कि महिलाएं घर-गृहस्थी के साथ रोजमर्रा की समान की खरीदारी अधिकांश पुरूष चाहते हैं कि महिलाएं ही करें। ऐसा क्रेज दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। वैसे महिलाएं भी अपना बजट देखते हुए काम करती हैं, लिहाजा घर के लोग संतुष्ट नजर आते हैं। वेसे भी होली का पर्व जो होता है, घरेलू पकवानों का होता है। इसलिये पुरूष भी चाहते हैं कि इन सभी समानों की खरीदारी महिलाएं ही करें। पहले कमाने-खाने वाले पुरूष दिनभर कार्यालय और मजदूरी में गुजार देते हैं और घर थके-हारे घर आते हैं, ऐसे में महिलाएं भी उन्हें परेशान नहीं करती और स्वयं या बच्चों के साथ बाजार करने के लिये निकल जाती हैं, पुरूष को इन सब की चिंता नहीं रहती है। यही कारण है कि बाजारों में मर्द से ज्याद महिलाएं ही नजर आती हैं। हर दुकान पर सुबह से लेकर शाम तक भीड़ नजर आया।

महाकालेश्वर मंदिर रघुनाथपुर में संपन्न हुआ पहला विवाह समारोह

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर तुलसी स्थान स्थित महाकालेश्वर मंदिर में अब दूर दूर से लोग शादी करने आने लगे है। गुरूवार को बक्सर जिला अंतर्गत एकरासी ग्राम निवासी पूजा कुमारी पिता अनिल राम तथा भोजपुर जिला के बंशीपुर टोला, मिल्की ईश्वरपुरा निवासी मुरली मनोहर राम, पिता रामेश्वर प्रसाद ने हिंदू रीति रिवाज के अनुसार महाकालेश्वर दरबार में शादी रचाई। वैवाहिक कार्य पूरे वैदिक विधि विधान से मंदिर प्रबंधन समिति के पंडित राजू मिश्रा के द्वारा कराया गया। इस दौरान वर एवं वधु पक्ष के माता पिता और रिश्तेदार के साथ साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। रघुनाथपुर की स्थानीय महिलाओं में भी महाकालेश्वर मंदिर में हो रहे पहली शादी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने विवाह के मंगल गीत भी गाए। इस अवसर पर स्थानीय सरपंच प्रतिनिधि झुन्नू मिश्रा, समाजसेवी शैलेश ओझा, सनोज प्रजापति, राजन कुमार, अनूप केशरी, रविन्द्र चौधरी, सुनील गुप्ता, सज्जन यादव आदि उपस्थित रहे। विवाह के उपरांत महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन न्यास परिषद की तरफ से नवदंपति को उपहारस्वरूप एक सेट बर्तन, कपड़ा और शगुन के तौर पर आर्थिक मदद भी दी गई। मंदिर प्रबंधन समिति से जुड़े शैलेश ओझा ने बताया कि भविष्य में भी अगर कोई आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवार महाकालेश्वर मंदिर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विवाह करता है तो मंदिर प्रबंधन न्यास परिषद की तरफ से एक सेट बर्तन, कपड़ा, भोजन की व्यवस्था के साथ आर्थिक मदद भी की जाएगी।

नगर के गोला रोड में जुटी भीड़ स्टेशन रोड में लगा जाम

डुमरांव। सात प्रखंडों के अनुमंडल में पर्व-त्योहार जब आता है तो लोगों की भीड़ बढ़ जाती है, यही भीड़ जाम का रूप ले लेती है। यही कारण है कि गुरूवार को पूरे दिन लोग जाम की समस्या से जूझते रहे। इसमें सबसे परेशानी ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोगों को झेलनी पड़ी। इतना ही नहीं जाम में बसों के साथ छोटे वाहानों से यात्रा करने वाले भी जाम से परेशान रहे। इधर प्रशासन आंख बंद कर सभी कुछ देखता रहा। वैसे इस जाम को रोका जा सकता था। पर्व को लेकर शहर में वाहनों को स्टेशन रोड में नयाथाना के पास प्रवेश पर रोक लगा दिया जाता। स्टेशन से आने वाले सारे वाहनों को महरौरा मोड़ से रोक कर उन्हें नहर के रास्ते जाने दिया जाता। ट्रेनिंग स्कूल के पास बक्सर की तरफ जाने वाले वाहनों को नहर के रास्ते भेज उन्हें महरौरा मोड़ पर स्टेशन रोड में निकाल दिया जाता, ऐसे में जाम की समस्या नहीं रहती।

वर्ल्ड किडनी डे पर सदर अस्पताल में आयोजित हुआ जागरुकता कार्यक्रम

असंतुलित आहार और प्रदूषित पानी के सेवन से हो रही है किडनी की बीमारी : ब्रजेश कुमार पांडेय

केटी न्यूज/बक्सर

वर्ल्ड किडनी डे पर सदर अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सदर अस्पताल में डायलिसिस की सेवा देने वाली अपोलो डायलिसिस संस्थान ने इस मौके पर किडनी रोग से बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के इंचार्ज ब्रजेश कुमार पांडेय ने किया। आयोजन में किडनी मरीजों के साथ उनके परिजन, अस्पताल कर्मी, मेडिकल ऑफिसर सहित दर्जनों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में लोगों को किडनी रोग, इसके कारण, लक्षण और इससे बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। वहीं लोगों से बगैर चिकित्सक से सलाह लिए किसी भी तरह की दवा का सेवन न

करने को कहा गया। कार्यक्रम में प्रभावित किडनी मरीजों को आहार विहार और सुरक्षा के उपायों के बारे में भी बताया गया।

लोगों के बीच जागरूकता : जिले में किडनी की विभिन्न समस्याओं से जूझनेवाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह चिंता का विषय है। सरकारी और निजी क्लीनिकों में किडनी रोग में मरीजों की लम्बी कतार तो है ही इसके अलावा जिले में किडनी के कई ऐसे मरीज हैं जिन्हें औसतन प्रत्येक सप्ताह से लेकर मासिक तौर पर डायलिसिस की जरुरत पड़ती है। निजी क्षेत्र को छोड़ सिर्फ सदर अस्पताल में उपलब्ध डायलिसिस सेंटर पर प्रतिदिन करीब 10 से 15 मरीज अपना डायलिसिस करवाने पहुंच रहे हैं। महीने भर में यह आंकडा 300 से 350 तक पहुंच रहा है।

बेहद गंभीर होती है किडनी की समस्याः कार्यक्रम के दौरान मरीज और उनके परिजनों के सवालों का केंद्र प्रभारी ने जवाब भी दिया। सीनियर इंचार्ज ब्रजेश कुमार पांडेय ने बताया किडनी की समस्या बेहद ही गंभीर होती जा रही है जिस वजह से हर माह 10 से 12 नये पेशेंट्स यहां डायलिसिस की लिस्ट में शामिल हो रहे हैं। यहां डायलिसिस के लिए कुल 5 संयंत्र लगे हैं। राशनकार्ड धारियों के लिए निःशुल्क व्यवस्था है जबकि सामान्य लोगों के लिए सरकारी दर 1797 रुपए निर्धारित हैं। मुफ्त में डायलिसिस की व्यवस्था मिल रही है। मरीजों को चिकित्सा के समय की जानकारी साझा कर डायलिसिस की सेवा दी जा रही है, जिससे डायलिसिस के लिए किसी को बाहर न जाना पड़े।

आज बिरज में होली है रे रसिया... गीतों के बीच रोटरी क्लब का मना होली मिलन

केटी न्यूज/आरा

रोटरी क्लब आरा ने होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें रोटरी क्लब के एजी मनोज कुमार सिंह, अध्यक्ष राम कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष अखिलेश्वर प्रसाद, रोटेरियन डॉ. अर्चना सिंह, अभय कुमार जैन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। डॉ. अर्चना सिंह ने होली के पारंपरिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह त्योहार नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का अवसर देता है। उन्होंने बताया कि हमारा समाज फसलों पर निर्भर है और खान-पान एवं पहनावा भी इससे प्रभावित होता है। उन्होंने यह भी कहा कि होली का उत्सव बनारस और वृंदावन में महीनों पहले ही शुरू हो जाता है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ रोटेरियन अवधेश पांडेय ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही, जिसमें अमितेश, धर्मेंद्र ने रंग बरसे गाकर समां बांधा। अंबे शरण और अलका ने आज बिरज में होली है रे रसिया जैसे होली गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। डांस परफॉर्मेंस में चिंटू कुमार ने अपनी नृत्य कला से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का समापन बंगला में उड़ेला अबीर होली गायन से हुआ जिसे विद्यालय के संगीत शिक्षक अमितेश कुमार के साथ विद्यालय के ही कई शिक्षकों ने कोरस में गायन किया। राग और रंग के शानदार माहौल में लोगों ने होली का आनन्द उठाया और उसके बाद सभी दम्पतियों ने एक दूसरे को गुलाब भेंट किया। कार्यक्रम के अंत में रोटरी क्लब के सचिव निशिकांत सोनी ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर होली के विशेष पकवान का भी प्रबंध किया गया था जिसका लुत्फ सभी आगन्तुकों ने उठाया। इस अवसर पर अवधेश कुमार पांडेय, मंजीत आनंद, सुरेश कुमार चौधरी, राजेश कुमार, नीरज कुमार, विपुल कुमार , डॉ. मनीष, अभिषेक कुमार जैन, अमित कुमार, पंकज प्रभाकर, चौधरी सुरेश प्रसाद, ओम प्रकाश सिंह, दिलीप सिंह, अरविंद सिंह, कृष्ण माधव अग्रवाल, संजीव गुप्ता, डॉ विजय गुप्ता, अजय कुमार पांडेय सहित अन्य मौजूद थे।

सदर अस्पताल में झाड़फूंक, ओझा बोला... मंत्र-पानी से ठीक कर दिया

केटी न्यूज/आरा

आरा में सदर अस्पताल परिसर में झाड़फूंक का मामला सामने आया है। गुरुवार की सुबह एक लड़की को छिपकली ना काट लिया। वो बार बार बेहोश हो रही थी। परिजन उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल के डॉक्टर्स ने लड़की को पटना रेफर कर दिया। इसी बीच लड़की की परिजनों ने झाड़फूंक करने वाले एक ओझा को बुला लिया। लड़की का झाड़फूंक करने वाले ओझा मुन्ना सिंह ने बताया कि बच्ची हाल ही में अपने किसी रिश्तेदार के घर शादी में गई थी। किसी ने उस पर जादू टोना कर दिया था मैंने पानी और मंत्र से बच्ची को ठीक कर दिया। जिस लड़की को छिपकली ने काटा है, उसकी पहचान उतवंतनगर थाना इलाके के सेवगार गांव की रहने वाली मुन्ना सिंह की 15 साल की बेटी रिंकी कुमारी के रूप में हुई है। बच्ची की मां सुशीला देवी ने बताया कि बेटी ने बताया कि उसे छिपकली ने काट लिया है।

बीकेएसयू में बिहार राज्य विवि सेवा आयोग की ओर से हुई थी नियुक्त

असिस्टेंट प्रोफेसरों के प्रमाण पत्र की होगी जांच, कई संदेह के घेरे में

- विवि ने जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का गठन किया
- कई विवि में अनुभव और दिव्यांगता प्रमाण पत्र में गड़बड़ी उजागर हुई है

केटी न्यूज/आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में बिहार राज्य विवि सेवा आयोग की ओर से नियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसरों के अनुभव, दिव्यांगता प्रमाण पत्र और अन्य संबंधित अभिलेखों की जांच हो रही है। जांच के क्रम में एक-दो अभ्यर्थियों के कागजात संदेह के घेरे में आ गये हैं। जांच के दौरान जिन अभ्यर्थियों का कागजात शक के दायरे में आया है, उसकी सत्यता को लेकर संबंधित कॉलेज से जवाब लेने की तैयारी की जा रही है। बताया जाता है कि रसायन शास्त्र विषय में एक अभ्यर्थी ने अनुभव प्रमाण पत्र जमा किया है। सीवान के रहने वाले अभ्यर्थी ने विवि अंतर्गत आने वाले भोजपुर के एक संबद्ध डिग्री कॉलेज का अनुभव प्रमाण पत्र लगाया है। अनुभव प्रमाण पत्र पर कुलसचिव का हस्ताक्षर भी है। सूत्रों की मानें तो तत्कालीन कुलसचिव का हस्ताक्षर भी सही नहीं है। जानकारों की मानें तो अन्य विषयों में नियुक्त सहायक प्राध्यापकों के कागजात की जांच हो रही है। कुछ अभ्यर्थियों का अनुभव प्रमाण पत्र अन्य विवि का है। अन्य विवि से निर्गत अनुभव प्रमाण पत्र की जांच को लेकर संबंधित विवि में पत्राचार किया जायेगा। मालूम हो कि विवि ने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है। कमेटी अब तक विभिन्न विषयों में नियुक्त सभी सहायक प्राध्यापकों के प्रमाण पत्र की जांच कर अपनी रिपोर्ट विवि को सौपेंगी। वीर कुंवर सिंह विवि में जो कमेटी गठित हुई है, उसमें विवि के एक अधिकारी और दो पीजी हेड को रखा गया है। शैक्षणिक अनुभव प्रमाण पत्रों की होनी है जांच बता दें कि बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर की चल रही नियुक्ति प्रक्रिया में अब तक विभिन्न विषयों में चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अनुभव प्रमाण पत्रों के अलावा अन्य प्रमाण पत्रों की जांच होनी है।

शैक्षणिक अनुभव प्रमाण पत्र में गड़बड़ी आ रही है सामने

शैक्षणिक अनुभव प्रमाण पत्र में गड़बड़ी की आ रही शिकायतों के बाद आयोग और शिक्षा विभाग की ओर से यह कदम उठाया गया है । शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों जांच को लेकर वीर कुंवर सिंह विवि समेत सभी विवि को पत्र जारी किया था। शिक्षा विभाग की ओर से फिलहाल अब तक हुई नियुक्ति में चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अनुभव प्रमाण पत्र की जांच करने को कहा गया है। जानकारों की मानें तो अगर किसी के प्रमाण पत्र में गड़बड़ी मिलती है, तो उनकी नौकरी भी जा सकती है। मालूम हो कि कई विवि में अनुभव और दिव्यांगता प्रमाण पत्र में गड़बड़ी उजागर हुई है। कई जगहों पर दोषियों पर प्राथमिकी भी दर्ज करायी गयी है।

मजिस्ट्रेट के निगरानी में हुआ छोटू मिश्रा का पोस्टमार्टम

आरा। आरा शहर के टाउन थाना क्षेत्र स्थित आरा सदर अस्पताल में गुरुवार को कुख्यात अपराधी छोटू मिश्रा की मौत हो गई। छोटू मिश्रा पुलिस एनकाउंटर में जख्मी हुआ था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और पुलिस पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इसके साथ ही उन्होंने शव का पोस्टमार्टम पटना में कराने की मांग की।परिजनों के हंगामे के बीच, पुलिस ने तीन सदस्यीय न्यायिक दंडाधिकारी और डॉक्टरों की एक तीन सदस्यीय टीम के साथ शव का पोस्टमार्टम कराया। यह प्रक्रिया मजिस्ट्रेट की निगरानी में और वीडियोग्राफी के साथ की गई। छोटू मिश्रा की मौत की खबर सुनते ही उसके परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में शव देखने के बाद परिजनों ने आक्रोश व्यक्त किया ।

बिहिया में डबडबाई आंखों के बीच भारी मन से चारों भाई-बहनों का हुआ दाह संस्कार

- पिता की गैर मौजूदगी में महुली गंगा घाट पर परिजनों ने किया अंतिम संस्कार

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के बिहिया थाना क्षेत्र के बेलवनिया गांव में जहर वाला दूध पीने से मृत चारों भाई-बहनों का भारी मन से डबडबाई आंखों के बीच दाह संस्कार कर दिया गया है। पिता की गैरमौजूदगी में बुधवार को महुली गंगा घाट पर परिजनों द्वारा चारों बच्चों का दाह संस्कार किया गया। एक साथ चार बच्चों का प्रवाह होते ही घाट पर मौजूद परिजन और ग्रामीण फफक पड़े। माहौल गमगीन हो गया। वहीं एक साथ चार मासूम बच्चों की मौत से मोहल्ले में अरविंद प्रसाद के घर के साथ पूरे मोहल्ले में सन्नाटा पसरा है। होली की खुशियां फीकी पड़ गई है। इधर, पुलिस इस मामले में चौकीदार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी है। बता दें कि मंगलवार की रात बेलवनिया गांव निवासी अरविंद प्रसाद ने अपने चारों बच्चों को जहर मिला दूध दे दिया था। उसने खुद भी दूध पी लिया था। इसमें उनकी 13 वर्षीय पुत्री नंदनी कुमारी, दस वर्षीय पुत्र आदर्श कुमार उर्फ आदित्य, तीन वर्षीय पुत्री पलक उर्फ डॉली और छह वर्षीय पुत्र टोनी कुमार की बारी-बारी से मौत हो गई थी। अरविंद प्रसाद की भी हालत भी अब तक नाजुक बनी है। उनका इलाज आरा शहर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में कराया भर्ती जा रहा है। पत्नी के बाद चारों बच्चों को खोया, बच्चों की हत्या का लगा कलंक बेलवनिया गांव निवासी अरविंद प्रसाद ऐसे बदनसीब पिता बन बैठे हैं, जिन पर अपने ही बच्चों की हत्या का कलंक लग गया। हालात ऐसे हो गये कि वह अपने बच्चों को अंतिम संस्कार भी नहीं कर सका। बताया जा रहा है कि पत्नी की मौत के बाद डिप्रेशन और घरेलू उलझन में फंसे अरविंद प्रसाद ने जिंदगी से उबकर चारों बच्चों के साथ ही अपनी इहलीला समाप्त करने की कोशिश की थी, लेकिन उनका दांव उल्टा पड़ा और अब उन पर अपने ही मासूम बच्चों की हत्या का बड़ा कलंक लग गया। हालांकि अब तक यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है कि अरविंद प्रसाद की ओर से आखिर इतना बड़ा कदम क्यों उठाया गया था। लेकिन, परिजनों और मौत से पूर्व उनके बच्चों के अनुसार अरविंद प्रसाद पत्नी की मौत के बाद से मानसिक तौर पर काफी परेशान चल रहा था। दुकान चलाने के साथ छोटे-छोटे बच्चों को संभालने में वह असमर्थ साबित हो रहा था।

सभी अपराधी एक मास्टरमाइंड के निर्देश पर काम कर रहे थे उनकी जिम्मेदारी पहले से तय थी

तनिष्क ज्वेलरी लूटकांड का तीसरा आरोपी अरेस्ट

केटी न्यूज/आरा

आरा में तनिष्क शोरूम से 10 करोड़ की ज्वेलरी लूटकांड के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल, गिरफ्तार किए गए अपराधी की पहचान के बारे में पुलिस की ओर से कुछ नहीं बताया गया है। हालांकि, पुलिस ने ये जरूर कहा है कि संदिग्ध के पास से कुछ महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं, जिससे बाकी तीन अन्य लुटेरों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है।शहर के टाउन थाना क्षेत्र स्थित शीश महल चौक के ज्वेलरी शोरूम में 10 मार्च को को लूट हुई थी। इस घटना को 6 अपराधियों ने अंजाम दिया था। पुलिस ने वारदात वाले दिन ही दो आरोपियों को पकड़ा था। बाकी चार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए भोजपुर पुलिस और पटना एसटीएफ की टीम लगातार जुटी थी। इसी कड़ी में बुधवार को पुलिस ने एक और संदिग्ध को वैशाली जिले से गिरफ्तार किया है। वहीं, वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें अपराधी झोले में जेवरात लेकर भागते दिख रहे हैं। इसमें एक अपराधी के हाथ में राइफल भी दिख रही है, जो उन्होंने शोरूम के गार्ड से छीनी थी। फुटेज में दिख रहा है कि अपराधी काले रंग के झोले में ज्वेलरी रखकर शोरूम से निकलते हैं और पल्सर बाइक पर बैठकर गोला की ओर फरार हो जाते हैं। वीडियो में ये भी दिख रहा है कि अपराधियों के जाने के दौरान कोई उनके पीछे नहीं आता है, न ही बाहर आकर तत्काल शोर मचाता है। पुलिस की पड़ताल में ये भी सामने आया है कि सभी 6 अपराधियों ने लूट से पहले सर्जिकल ग्लव्स पहने थे, ताकि किसी भी प्रकार के फिंगरप्रिंट का पता न चल सके। सभी अपराधी एक मास्टरमाइंड के निर्देश पर काम कर रहे थे और उनकी जिम्मेदारी पहले से तय थी। लूट के दौरान हर एक अपराधी को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई थी। मास्टरमाइंड ने कुछ को गहने इकट्ठा करने की जिम्मेदारी दी थी, तो कुछ को तनिष्क शोरूम के कर्मचारियों को बंधक बनाने का काम सौंपा था।इससे पहले पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो अपराधियों को गिरफ्तार किया था, जो छपरा जिले के दिघवारा निवासी विशाल गुप्ता और सोनपुर थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी कुणाल कुमार। दोनों के पास से लूटे गए गहनों से भरे दो बैग बरामद हुए थे। वर्तमान में पुलिस की एसटीएफ और एसआईटी टीमें पटना, वैशाली, सारण और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी कर रही हैं। पुलिस की तकनीकी सहायता और सीसीटीवी के आधार पर अपराधियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। एसपी राज के नेतृत्व में गठित इस टीम ने इस मामले की तहकीकात में तेजी से काम किया है और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनके पास से पुलिस ने दो पिस्टल और दस कारतूस भी बरामद किए थे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

लातेहार, एजेंसी। जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र के हेहेगड़ा रेलवे स्टेशन के पास एक युवक का शव बरामद हुआ है। उसके पास से मोबाइल और रेलवे टिकट (हेहेगड़ा से लातेहार तक का) बरामद किये गये हैं। मृतक की पहचान चुंगरू पंचायत के चहल गांव निवासी दसई सिंह के 20 वर्षीय पुत्र सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया से ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत हुई है। घटना की सूचना पाकर आरपीएफ मौके पर पहुंची है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि सुरेंद्र सिंह मेला देखकर हेहेगढ़ा से लौट रहा था। संभवत: उतरने के क्रम में पैर फिसलने के कारण वह ट्रेन की चपेट में आ गया होगा। आरपीएफ इंस्पेक्टर राकेश रंजन ने बताया कि घटना रात्रि तकरीबन एक बजे की है। आरपीएफ ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है।

गोड्डा से आंध्र प्रदेश ले जाई जा रही तीन नाबालिग लड़कियां बरामद, तीन लोग गिरफ्तार

गोड्डा, एजेंसी। जिले के सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र से पुलिस ने मानव तस्करी की शिकार तीन नाबालिग लड़कियों को बरामद किया। तीनों को आंध्र प्रदेश ले जाया जा रहा था। इस घटना में शामिल तीन लोगों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार लोगों में दो लोग आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। वहीं सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र की एक महिला भी इस घटना में शामिल है। जानकारी के अनुसार, एसपी अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की गाड़ी में कुछ नाबालिग लड़कियों को तस्करी कर ले जाया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने टीम बनाकर छापेमारी की जिसमें सफेद रंग की गाड़ी से तीन नाबालिग लड़कियों को बरामद कर लिया गया। साथ ही गाड़ी से आंध्र प्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में शेख मुर्तजा (उम्र 65 वर्ष), पिता-मस्नात साहेब, नरसरावपेट (आंध्र प्रदेश) और पोपुरी बेंकटेश्वर राव, नवोदयनगर, थाना-गुंटूर, जिला-गुंटूर (आंध्र प्रदेश) हैं। जबकि एक अन्य महिला ऑगस्टीन सोरेन सुंदरपहाड़ी थाना गोड्डा के बड़ा कालाजोर की रहने वाली है। एसपी ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन नाबालिगों को किस लिए ले जाया जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि जानकारी के अनुसार इन बच्चों के माता-पिता को काम दिलाने के नाम पर बहला-फुसलाकर अलग-अलग घरों में बेच दिया जाता है। पुलिस द्वारा लोगों को जागरूक करने के बावजूद भी ऐसे मामले प्रकाश में आते हैं। लोग उनकी गरीबी का फायदा उठाते हैं।

रांची में होली को लेकर पुलिस अलर्ट, 2000 अतिरिक्त फोर्स की तैनाती

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में होली पर्व को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। जिले भर में 2000 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। होली के दिन रमजान का जुमा पड़ने से विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। होली को लेकर रांची पुलिस ने सुरक्षा-व्यवस्था की तैयारी पूरी कर ली है। रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया की जिले भर में अतिरिक्त 2000 पुलिस बल तैनात किए गए हैं। रांची जिला बल के अलावा, रैफ, रैप और होमगार्ड के जवानों को लगाया गया। सभी थानों में क्विक रिस्पांस टीम भी तैनात की गई है। साथ ही संवेदनशील इलाकों में भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। सभी थाना प्रभारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने पीसीआर, टाइगर पुलिस और बीट पुलिस से भी लगातार संपर्क स्थापित करते रहने का निर्देश दिया गया है। सभी पुलिस कर्मियों को सुरक्षा में मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है। होली के दौरान सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक ना हो इसके लिए सभी थानों में क्यूआरटी तैनात रहेगी। सभी जवानों को होली के दौरान चौकन्ना रहने का निर्देश दिया गया है। रांची के कचहरी स्थित कंट्रोल रूम में आपात स्थिति के लिए अग्निशमन वाहन और एंबुलेंस भी रखी गई है। होली के दौरान अक्सर लोग शराब पीकर वाहन चलाते हैं। ऐसे वाहन चालकों पर नकेल कसने के लिए ट्रैफिक पुलिस को मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है। तेज रफ्तार वाहन चलाने वालों पर भी नजर रखने को कहा गया है। होली के मौके पर अवैध और नकली शराब न बिके इसके लिए पुलिस और उत्पाद विभाग दोनों विभाग लगातार अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी अभियान चला रहा है।

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को जेल में मिल रही थी वीआईपी सुविधा

छापामारी के बाद मचा हड़कंप

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को मेदिनीनगर केंद्रीय कारा में वीआइपी ट्रीटमेंट मिल रहा था, उसको जेल प्रशासन की ओर से जेल में कई कमरे मुहैया कराए गए थे। एक कमरे का उपयोग पूजा कक्ष तो शेष अन्य सुविधाओं के लिए किया जाता था। इसका खुलासा तब हुआ जब बुधवार की दोपहर जिला प्रशासन की टीम ने केंद्रीय कारा में छापामारी की। उपायुक्त शशि रंजन व एसपी रीष्मा रमेशन के नेतृत्व में मेदिनीनगर केंद्रीय कारा में छापामारी की गई। इस छापामारी में दिनेश गोप को केंद्रीय कारा के अंदर दी जाने वाली वीआइपी ट्रीटमेंट का खुलासा हुआ है। इस दौरान अधिकारियों को कारा से संबंधित कई जानकारियां मिली हैं। छापामारी के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा।छापामारी के दौरान कुछ भी आपत्तिजनक बरामद नहीं हुआ है। जेल के अंदर कुछ कैदियों को वीआइपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। इस मामले में वह एक्शन लेंगे।छापामारी अभियान में नगर आयुक्त मो।जावेद हुसैन, डीडीसी मो। शब्बीर अहमद, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू, सदर एसडीओ सुलोचना मीणा,कार्यपालक दंडाधिकारी सेवाराम साहू। विक्रम आनंद,रश्मि रंजन, सदर सीओ अमरजीत बिल्होत्रा, चैनपुर बीडीओ प्रदीप कुमार,चैनपुर सीओ चंद्रशेखर कुणाल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान शामिल थे।बताते चलें कि संगठित अपराध व आगामी त्योहारों के मद्देनजर केंद्रीय कारा में छापामारी की गई थी, जो करीब डेढ़ घंटे तक तक चली। गढ़वा मंडल कारा में मंगलवार की देर रात उपायुक्त शेखर जमुआर के निर्देश पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार के नेतृत्व में छापेमारी हुई। इस दौरान कई दंडाधिकारी एवं पुलिस अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान शामिल थे।इस संबंध में एसडीओ ने बताया कि विधि व्यवस्था के दृष्टिकोण से मंडल कारा के सभी वार्डों में समय-समय पर औचक जांच तथा निरुद्ध कैदियों की विधिवत तलाशी की कार्रवाई की जाती है। इस क्रम में मंगलवार मध्य रात्रि को मंडल कारा गढ़वा के सभी वार्डों की सघन तलाशी छापामारी दल ने की। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नीरज कुमार, बीडीओ गढ़वा कुमार नरेंद्र नारायण, सीओ मेराल यशवंत नायक, प्रशिक्षु उपसमाहर्ता रविकांत शर्मा, थाना प्रभारी गढ़वा इंस्पेक्टर बृज कुमार, थाना प्रभारी मेराल विष्णुकांत, महिला थाना प्रभारी सहित कई पुलिस अधिकारी एवं करीब 200 से अधिक पुलिस बल मौजूद रहे।छापेमारी के लिए गठित अलग-अलग टीमों द्वारा महिला वार्ड सहित सभी वार्डों में गहन तलाशी ली गई। उक्त तलाशी का कार्य रात करीब 10ः30 बजे से शुरु होकर मध्यरात्रि तक चला।अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि उक्त छापामारी के दौरान कोई भी ऐसी संवेदनशील या आपत्तिजनक सामग्री जेल के अंदर या कारा वार्डों में नहीं मिली, जो कि जेल मैनुअल के नियमों के प्रतिकूल हो। उन्होंने कहा कि यह रूटीन छापामारी थी।

आयुक्त ने किया धनबाद और गोबिंदपुर अंचल कार्यालय का निरीक्षण, म्यूटेशन के लंबित मामलों को लेकर जताई नाराजगी

धनबाद, एजेंसी। छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त पवन कुमार ने धनबाद और गोबिंदपुर अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। आयुक्त म्यूटेशन के मामलों की समीक्षा करने पहुंचे थे, लेकिन सर्वर डाउन रहने के कारण ऑनलाइन समीक्षा नहीं कर सके। उन्होंने ऑफलाइन कार्यों की समीक्षा की।

बड़े पैमाने पर म्यूटेशन पेंडिंग

म्यूटेशन के मामलों की समीक्षा के क्रम में आयुक्त संतुष्ट नजर नहीं आए। समीक्षा के दौरान बड़े पैमाने पर म्यूटेशन के मामले पेंडिंग पाए गए। उन्होंने अंचल कार्यालय में पदाधिकारी के नहीं बैठने पर चिंता प्रकट की। उन्होंने सीओ के कार्यों की भी समीक्षा की। इस दौरान कई खामियां पाई गईं। जिसे लेकर आयुक्त ने नाराजगी जताई।

कमिश्नर के आने की सूचना पर एक शिकायतकर्ता भी मौके पर पहुंचा। उनकी शिकायत थी कि विधानसभा चुनाव में कई मतदान केंदों में जेनरेटर और शेड लगवाया गया था। जिसका बकाया करीब 4 लाख का भुगतान नहीं हुआ है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि राशि के भुगतान के एवज में अंचल कार्यालय से पैसे की मांग की जाती है।

धनबाद सदर अंचल कार्यालय के निरीक्षण के बाद कमिश्नर पवन कुमार ने मीडिया से बातचीत की। इस क्रम में उन्होंने कहा कि जांच में पाया गया कि 1500 म्यूटेशन के मामले पेंडिंग हैं और भी कई कमियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि सर्वर डाउन होने के कारण ऑनलाइन समीक्षा नहीं हो सकी है। साथ ही कार्यों में विलंब का कारण कर्मियों की भी कमी है।

डीआरएम ने किया गोड्डा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण, कहा- गोड्डा-पीरपैंती रेल लाइन का काम जल्द होगा पूरा

गोड्डा, एजेंसी। मालदा डिवीजन के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने बुधवार को गोड्डा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों और वाशिंग पिट सहित अन्य योजनाओं की जानकारी ली। डीआरएम ने गोड्डा स्टेशन अमृत भारत योजना के कार्यों में देरी और गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर रेल पदाधिकारियों को फटकार लगाई।इस दौरान डीआरएम ने हर हाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों को मार्च तक पूर्ण करने का निर्देश दिया।

कोचिंग डिपो बनने के बाद गोड्डा से नई ट्रेन : गोड्डा स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद डीआरएम ने मीडिया से भी बातचीत की। इस क्रम में गोड्डा से और अन्य स्टेशनों के लिए नई ट्रेन चालू किए जाने के सवाल पर डीआरएम ने कहा कि गोड्डा में कोचिंग डिपो बनने के बाद ही नई ट्रेन चालू होना संभव हो पाएगा। उन्होंने कहा कि भागलपुर स्टेशन पर बहुत ज्यादा लोड होने के कारण कंजस्ट होता है। ऐसे में जब तक गोड्डा में कोच यार्ड नहीं बन जाता, तब तक नई ट्रेन नहीं चलायी जा सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि ट्रेन के रख-रखाव के लिए गोड्डा से भागलपुर ट्रेन को ले जाने के लिए लगभग 80 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। यह काफी खर्चीला हो जाता है।

गोड्डा-पीरपैंती रेल लाइन काम जल्द होगा पूरा : वहीं गोड्डा-पीरपैंती रेल लाइन को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में डीआरएम ने कहा कि दिसंबर 2026 तक गोड्डा-पीरपैंती रेल लाइन को पूरा करने का टारगेट है। इस पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने जल्द कार्य पूरा होने की उम्मीद जताई है। साथ ही उन्होंने गोड्डा-पाकुड़ रेल लाइन पर भी काम जल्द शुरू होने की बात कही। उन्होंने कहा कि गोड्डा-पीरपैंती रेल लाइन और गोड्डा-पाकुड़ रेल लाइन बनने से माल ढुलाई भी हो सकेगा। इससे रेलवे को फायदा होगा।

सिगरेट मांगने को लेकर विवाद में गढ़वा में फायरिंग, अवैध हथियार के साथ तीन आरोपी

गढ़वा, एजेंसी। जिले के कांडी थाना क्षेत्र में सिगरेट मांगने को लेकर हुए विवाद में सोमवार को फायरिंग की घटना हुई थी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटा गया मोबाइल फोन, पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया है। इसकी पुष्टि गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडे ने की है।

क्या है पूरा मामला : एसपी ने बताया कि सोमवार की शाम करीब 4:45 बजे कांडी थाना क्षेत्र के सुडीपुर गांव स्थित लालो देवी के राशन दुकान पर पानसा गांव निवासी संदीप चंद्रवंशी, अधीरा गांव निवासी अमन विश्वकर्मा और मंटू विश्वकर्मा उर्फ नंदलाल विश्वकर्मा सिगरेट खरीदने के लिए पहुंचे थे। पैसे को लेकर विवाद बढ़ने पर दुकान संचालक ने उन्हें वहां से भगा दिया। इससे नाराज होकर तीनों आरोपी पुनः लौटे और दुकान के सामने हंगामा करने लगे। उन्होंने लालो देवी की बेटी रंजू देवी का मोबाइल लूट लिया। इस दौरान संदीप चंद्रवंशी ने 7।65 एमएम पिस्टल से लालो देवी पर गोली चला दी, लेकिन गोली दीवार पर जा लगी और किसी को नुकसान नहीं हुआ।

पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई : वहीं घटना की सूचना मिलते ही कांडी थाना पुलिस ने लालो देवी के आवेदन पर कांड संख्या-22/2025 दर्ज कर धारा- 115(2)/ 352/ 351(2)/ 109(1)/ 309(4) ब्नहस एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। एसपी के निर्देशानुसार एसडीपीओ नीरज कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर मामले की त्वरित जांच की गई।

तीनों आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद : पुलिस की जांच में पता चला कि घटना के कुछ समय पहले आरोपी कोयल नदी किनारे शराब पी रहे थे। इस दौरान सिगरेट पीने की इच्छा होने पर दुकान पर गए थे, जहां विवाद हुआ। मामले में शामिल तीनों आरोपी संदीप चंद्रवंशी, अमन विश्वकर्मा और मंटू विश्वकर्मा उर्फ नंदलाल विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से लूटा गया मोबाइल, 7।65 एमएम पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और फायर किया गया खोखा बरामद किया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

मतदाता पहचान पत्र के लंबित आवेदनों को लेकर सीईओ ने की बैठक, सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी हुए शामिल

रांची, एजेंसी। मतदाता पहचान पत्र से संबंधित यदि आपको कोई शिकायत हो तो आप तत्काल अपने जिले के उप निर्वाचन पदाधिकारी से शिकायत कर सकते हैं। इसको लेकर चुनाव आयोग ने गंभीरता दिखाते हुए सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिए हैं। हाल के दिनों में मतदाता पहचान पत्र के लंबित मामले को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के समक्ष आ रही शिकायतों के बाद बुधवार को सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों की बैठक हुई।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। इसमें लंबित सभी आवेदनों को जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि किसी भी मतदाता को मतदाता पहचान पत्र पंजीकरण से संबंधित कोई शिकायत न रहे।

मतदाता पहचान पत्र में ना हो गड़बड़ीः सीईओउप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का सख्त निर्देश है कि मतदाता पहचान पत्र बनाने में जीरो एरर के लक्ष्य से कार्य करना है। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष के चुनावों में मतदाता सूची के निर्माण एवं मतदाताओं के पंजीकरण के लिए बेहतर कार्य हुए हैं। उस कार्य प्रणाली को अभी भी एक्टिव रखें हैं, ताकि ससमय मतदाताओं की समस्याओं का निराकरण होता रहे।

सीईओ ने एनजीएसपी पोर्टल पर किसी भी मतदाता की शिकायत पेंडिंग नहीं रखने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का ससमय निराकरण करते हुए संबंधित आवेदक को सूचित करने का काम करें। इस बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एनटीपीसी डीजीएम कुमार गौरव हत्या का असर, 5वें दिन भी कोयला डिस्पैच बंद

हजारीगाब, एजेंसी। एनटीपीसी के केरेडारी डीजीएम डिस्पैच कुमार गौरव की हत्या के बाद कोयला रैक पिछले चार दिनों से बंद है। हजारीबाग एनटीपीसी कोल माइंस से देश के विभिन्न बिजली ताप घरों तक कोयला नहीं पहुंच रहा है। हजारीबाग से इन विद्युत ताप घरों में रेलवे के माध्यम से कोयला पहुंचता है। इससे रेल को बड़ा राजस्व मिलता है। बानादाग कोल साइडिंग पर मालवाहक ट्रेन खड़ी है। प्रत्येक दिन 10 से 15 रैक कोयले की ढुलाई बानादाग व अन्य एनटीपीसी रेलवे साइडिंग से होती है। पिछले 4 दिनों से कोयले की ढुलाई ठप होने से रेलवे को बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

डीजीएम की हत्या के बाद से एनटीपीसी कोयला ढुलाई का कार्य बंद है। बुधवार को भी एनटीपीसी के चट्टी बरियातु, पकरी बरवाडीह और केरेडारी कोल परियोजना से कोयले की ढुलाई नहीं हुई है। एनटीपीसी के अधिकारी व कर्मी की सुरक्षा, दोषियों पर कार्रवाई, अपराधियों की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार के लिए मुआवजा एवं नौकरी की मांग कर रहे हैं।

एनटीपीसी में सेवा देने वाले पदाधिकारी ने कहा यह आंदोलन नहीं है, बल्कि कुमार गौरव के लिए न्याय मांगने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि पूरा एनटीपीसी परिवार आज दहशत में है। लोगों के मन में यह भय है कि अगर वे कार्य क्षेत्र में जाएंगे तो कहीं अगला शिकार खुद न बन जाए। यही कारण है कि सभी पदाधिकारी और कर्मी एनटीपीसी के ट्रांजिट दफ्तर में ही यह लड़ाई लड़ रहे हैं।

केंद्र और राज्य सरकार को करोड़ों का नुकसान

इन चार दिनों में सिर्फ पकरी बरवाडीह कोयला परियोजना में करीब दो लाख टन उत्पादित कोयला डंप हो गया है। इन चार दिनों में कंपनी को जहां करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है, वहीं सरकार के खाते में जाने वाली 15।04 करोड़ रुपए रॉयल्टी का भी नुकसान हुआ है। कोयले का उत्पादन कार्य जारी है, पर डिस्पैच कार्य पूरी तरह से बंद हो गया है। इधर एम्पलाई एसोसिएशन ने डीजीएम हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है।

पकरी बरवाडीह कोल परियोजना से 50 हजार मीट्रिक टन, चट्टी बरियातू कोल परियोजना से 18 से 20 हजार मीट्रिक टन और केरेडारी कोल परियोजना से 20 हजार मीट्रिक टन कोयले का उत्पादन होता है।

प्रदेश में नौकरियों की बरसात ! जल्द होंगी 10 हजार नियुक्तियां

रांची, एजेंसी। झारखंड में नौकरियों की बरसात होने वाली है। सरकार जल्द ही 10 हजार नियुक्तियां करने वाली है। इसकी घोषणा स्वास्थ्य मंत्री ने मेडिकल कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए की है। रंगोत्सव होली से ठीक पहले बुधवार को स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त और गति देने के लिए 163 अभ्यार्थियों को नियुक्ति पत्र दिया है। स्वास्थ्य मुख्यालय नामकुम में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में बुधवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अजय कुमार सिंह ने 56 विशेषज्ञ चिकित्सकों, 41 मेडिकल अफसर, 57 ओ।टी अस्सिटेंट, 11 डेंटल सर्जन और 1 विधि परामर्शी को नियुक्ति पत्र दिया।

एनएचएम के तहत अनुबंध पर इन नियुक्ति की खासियत यह है कि पहली बार प्रयोग के तौर पर पोस्टिंग के लिए चॉइस मांगा गया गया और वेतन के लिए भी बातें तय कर ली गई। ताकि नियुक्ति पत्र ले लेने के बाद डॉक्टर्स अपने अपने क्षेत्र में रहे और लोगों का इलाज करें। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अजय कुमार सिंह ने कहा कि प्रयोग के तौर पर यह व्यवस्था की गई है। अगर यह सफल रहता है तो आगे भी इसी तरह नियुक्ति की जाएगी।

राज्य में चिकित्सा विभाग में होगी 10 हजार नियुक्तिः स्वास्थ्य मंत्री : नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने सभी नियुक्ति पत्र पाने वाले डॉक्टर्स, ओटी अस्सिटेंट से आग्रह किया कि वह जनता की सेवा में भावनात्मक जुड़ाव के साथ लगें। उन्होंने कहा आने वाले दिनों में विभाग डॉक्टर्स, पारा मेडिकल स्टाफ, अस्पताल मैनेजरों सहित लगभग 10 हजार लोगों को बहाल करेगी। इसके साथ-साथ कई नए मेडिकल कॉलेज खोलने की भी बात स्वास्थ्य मंत्री ने की।

यूक्रेन में अपने मेडिकल की पढ़ाई के दौरान के एक वाक्या का जिक्र करते हुए डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि वहां हमारे मेडिकल कॉलेज के डीन गांव ले जाते थे तो वहां देखा कि कॉटेज में इलाज का सेटअप होता था। हम भी राज्य में प्रखंड या पंचायत स्तर पर कॉटेज बनाने की शुरुआत करने जा रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 108 में जो दिक्कतें आ रही है, उसे दूर किया जायेगा। राज्य के सुदूर इलाकों के लोगों को भी एम्बुलेंस का लाभ मिले, इसके लिए जल्द ही बाइक एम्बुलेंस सरकार शुरू करेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 108 एम्बुलेंस वाहन की संख्या बढ़ाई जाएगी।

झारखंड में बने डॉक्टर को देनी होगी तीन साल की सेवाः मंत्री : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार डॉक्टरों के हितों के लिए हर काम करने के लिए तैयार है। लेकिन डॉक्टरों में भी राज्यवासियों के प्रति सहानुभूति की भावना रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम ऐसा कानून बनाने जा रहे हैं, जिसके तहत राज्य के हर डॉक्टर्स को कम से कम तीन साल तक राज्य में रहकर सेवा देनी ही होगी।

प्रदेश में लू का अलर्ट बरतें सावधानी

रांची, एजेंसी। झारखंड में मार्च माह से ही लू चलने लगेगी। मौसम विभाग ने इसे लेकर बुधवार को अर्लट जारी किया है। विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि 14 मार्च को राज्य के दक्षिण-पूर्वी भाग तथा 15 और 16 मार्च को पलामू तथा गढ़वा जिले में लू चलने की आशंका है। उन्होंने बताया कि 14 मार्च को विशेष रूप से कोल्हांन प्रमंडल के जिलों पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला खरसावां में लू चलने की आशंका व्यक्त की गई है।

ये सावधानी बरतने की सलाह

वहीं लू को लेकर विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है और कहा है कि उपर्युक्त जिलों में लोग दोपहर में निकलने से बचें। साथ ही बच्चे और बुजुर्गों का विशेष रखने को कहा गया है तथा गर्मी से बचने के लिए छाता और ठंडा पेय का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार यह स्थिति देश के पश्चिमी भाग से आने वाली गर्म हवाओं के साथ एंटी साइक्लोन के प्रभावी होने की वजह से पैदा हुई है। विभाग का कहना है कि उपर्युक्त जिलों में तापमान बढ़कर 40 डिग्री हो सकता है। वहीं राज्य के अन्य जिलों में आने वाले दिनों में तापमान में तीन से पांच डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। रांची और आसपास के इलाकों में भी तापमान बढ़कर 37-38 डिग्री होने की आशंका मौसम विभाग ने व्यक्त की है, जिसमें कोल्हान के जिले शामिल हैं।वहीं रांची और आसपास के इलाकों में दिन में मौसम साफ रहा और दोपहर में गर्मी का एहसास हुआ। हालांकि सुबह और शाम में अभी भी ठंड का एहसास हो रहा है।

सुभाषितम्

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास

त्यौहार ही नहीं देश के विकास के लिए भी जरुरी है सौहार्द और भाईचारा

इस बार वसंतोत्सव होली और पाक माह रमजान का जुमा एक साथ आया है, जिसे लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इस त्योहारी सीजन में हिंदू-मुस्लिम एकता और भाईचारा बनाए रखने और पर्व को परंपरागत और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील भी जनता से की गई है। संवेदनशील शहरों व विभिन्न इलाकों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने भी पूरी मुस्तैदी दिखाई है। पुलिस वाहनों के साथ पैदल मार्च कर उत्पातियों व असामाजिक तत्वों को सीधा संदेश दिया गया है कि कोई भी गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, गफलत हुई कि कार्रवाई सख्त होगी। वैसे कहा यही जाता है कि जहां पुलिस ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी पूरी करती है, वहां क्राइम रेट खुद-ब-खुद गिर जाता है। बहरहाल यहां बात इस समय होली और रमजान पर भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की हो रही है। इस कारण याद आ जाता है वो वक्त जबकि त्यौहार और पर्व के आने की खुशियां बहुत पहले से घर-आंगन से लेकर गलियों और चौक-चौराहों तक में अपनी खुशबू बिखेरने लगती थी। क्या हिंदू और और क्या मुसलमान सभी धर्मों के मानने वाले एक साथ त्यौहार मनाते और एक-दूसरे को बधाई देते नजर आते थे। यह सच है कि अमीर खुसरो और रसखान के जमाने की होली से लेकर मुंशी प्रेमचंद की ईदगाह तक के यादगार पलों को गुजरे हुए वर्षों गुजर गए। कहने में हिचक नहीं कि वोट बैंक की खातिर गंदी राजनीति ने समाज को बांटने और धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाने का जो काम किया अब वो अपने चरम पर पहुंच चुका है। विभाजनकारी ताकतें अपने मंसूबों पर सफल होती हुई नजर आ रही हैं। यही वजह है कि आज त्यौहार और पर्व आने का नाम सुनते ही शांतिप्रिय लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ उभर आती हैं। एक अनजाना डर और भय का वातावरण निर्मित होता है, जिससे लोग स्वंय घरों में कैद हो इस पल के किसी तरह गुजर जाने की प्रार्थना करते नजर आ जाते हैं। इसी के साथ त्यौहार व पर्व का उत्साह समाप्त प्रायः हो जाता है और जो सामने आता भी है तो वह महज दिखावा होता है या फिर एक दूसरे को उकसाने वाली उपद्रवी प्रवत्ति नजर आती है। अब बहुतायत में आपसी भाईचारा और सौहार्द की बातें तो कहानियों में जमा इबारत की बात हो गई हैं। इससे जहां भाईचारे में पड़ी दरार और चौड़ी होती चली जा रही है वहीं समाज से खुशहाली धीरे-धीरे गायब होने लगी है। हमें अपनी भाईचारे वाली भारतीय संस्कृति और सांझा चूल्हा वाली परंपरा की ओर लौट जाना होगा। इसके बिना तो देश का विकास भी संभव नहीं है। इसका जीता-जागता उदाहरण हमारे पड़ोसी देश हैं जिनके हालात आज इस कदर बदतर हो चले हैं कि कभी भी उनके तुकड़े होने का अंदेशा सताए जा रहा है। अस्थिर सरकारें और उस पर सड़कों पर जनता का विरोध बताता है कि जब बीज बबूल का बोया गया तो आम कहां से होगा। यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हिंदुस्तान में मनाए जाने वाले त्यौहार आज और कल की परंपरा का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि इनकी अपनी एक ऐतिहासिक पहचान है। होली को ही ले लें इसे वसंत ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा जाता है। इतिहासकार बताते हैं कि आर्यों के काल में भी होली पर्व मनाया जाता रहा है। वह भी इसलिए क्योंकि होली याद दिलाती है बुराई पर अच्छाई की जीत की। पौराणिक कथाओं के अनुसार होलिका राक्षस कुल के महाराज हिरण्यकश्यप की बहन थीं, जो कि अग्निदेव की उपासक थीं। अग्निदेव ने उन्हें प्रसन्न हो वरदान स्वरुप एक ऐसा वस्त्र दिया था जिसे धारण करने के बाद अग्नि भी उन्हें जला नहीं सकती थी। वहीं बालक प्रहलाद की भगवान विष्णु के प्रति अगाध भक्ति से परेशान राजा हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को आदेश दिया कि वह उनके पुत्र प्रह्लाद को गोद में लेकर हवन कुंड में बैठें। उनका मानना था कि ऐसा करने से प्रहलाद अग्नि में जल जाएगा और होलिका उसी वस्त्र की सहायता से सकुशल बाहर आ जाएंगी, लेकिन हुआ उल्टा और प्रहलाद को ईश्वर ने बचा लिया, जबकि होलिका आग में भस्म हो गई।

चिंतन-मनन

इच्छा का लक्ष्य है खुशी

बुरी आदत को छोड़ने की असमर्थता तुम्हें तकलीफ देती है। जब तुम बहुत पीड़ित होते हो, वह व्यथा तुम्हें उस आदत से छुटकारा दिलाती है। जब तुम अपनी कमियों से व्यथा महसूस करते हो, तब तुम साधक हो। पीड़ा तुम्हें आसक्ति से दूर करती है। यदि अपने दुगुर्णों को हटा नहीं सकते, तो उन्हें विस्तृत कर दो। चिन्ता, अभिमान, प्रोध, कामना, दुख सबको एक और बड़ा आयाम दे दो, एक दूसरी दिशा। छोटे-छोटे विषयों पर नाराज होने का क्या तुक है? नाराज होना है तो अनन्तता के प्रति, ब्रह्म के प्रति हो। यदि तुम अपने अहंकार को नहीं खत्म कर सकते तो अहंकार करो कि ईश्वर तुम्हारे हैं। यदि आसक्ति तुम पर छाई है, तो सत्य के प्रति आसक्त हो जाओ। यदि ईश्र्या तुम्हें सताती है, तो सेवा के लिए ईश्र्या करो। द्वेष के प्रति द्वेष रखो; गुरु से राग करो। दिव्यता के प्रति मदहोश हो जाओ। इन्द्रिय सुखों की इच्छाएं विद्युत की तरह हैं; जैसे-जैसे वे विषय विस्तुओं की ओर बढ़ती है, निष्प्रभावी हो जाती हैं। अपनी कुशलता से यदि तुम इच्छाओं को अपने भीतर मोड़ सको- अपने अस्तित्व के केन्द्र की ओर- तो तुम्हें मिलेगा एक और आयाम- चिरन्तन सुख, रोमांच, परमानन्द और शात प्रेम। वासना, लोभ और ईर्ष्या इसलिए शक्तिशाली हैं क्योंकि ये केवल ऊर्जा हैं और तुम ही इनके स्रेत हो- वह विशुद्ध ऊर्जा। निष्ठा और भक्ति तुम्हारी ऊर्जा को शुद्ध बनाए रखती हैं, तुम्हें उन्नत करती हैं। जब तुम यह समझ लेते हो कि तुम स्वयं ही सुख की विद्युत धारा हो, तुम्हारी लालसाएं घटने लगती हैं और प्रशांति आती है। मृत्यु निश्चित है - यह याद रखने से तुम वर्तमान क्षण में सजीव रहते हो, राग और द्वेष से मुक्त। इच्छा खुशी को खत्म करती है, लेकिन सभी इच्छाओं का लक्ष्य है खुशी।

आओ रे ! आओ !! खेलें मसाने में होली

राकेश अचल

भारत में चाहे कुम्भ हो या होली उसे हमारे ज्योतिषी आजकल विशेष बना देते हैं। जैसे कुम्भ को 144 साल के अद्भुद संयोगों का महाकुम्भ बना दिया था वैसे ही होली को भी 100 साल के अद्भुद संयोगों की होली बता दिया गया है। मुझे भी लगता है कि हमारे ज्योतिषी जो कहते हैं वो साबित भी करा देते हैं। जैसे कुम्भको महाकुम्भ बनाकर ज्योतिषियों ने आधे देश को गंगा में डुबकी लगवा दी, उसी तरह अब पूरे देश को इस बार मसान में होली खेलने के लिए तैयार कर दिया गया है। हिन्दू धर्म की तरह होली भी सनातन ही है। होली की अपनी कहानी है, अपनी किम्वदंतियां हैं। अपना रंग है ,अपना स्वाद है। अपना आनंद है। लेकिन पहली बार ये आँखें होली का स्वाद, बेस्वाद होते देख रहीं है। पहली बार होली के रंग खतरनाक बनाये जा रहे है। पहली बार होली की मस्ती से देश की एक चौथाई आबादी को अलग करने या अलग रहने के लिए कहा जा रहा है। धर्म के ठेकेदार, सियासत के हाथों की कठपुतली बनकर होली को सचमुच मसान में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। मसान की होली अभी तक काशी की मशहूर थी। मशहूर था होली का होली [पवित्र] गीत। होली खेलें मसाने में छन्नू लाल मिसुर या मालिनी अवस्थी जब ये गीत गातीं हैं तो मन मछँदर हो जाता है। ये गीत भगवान शिव के साथ होली खेलने का भव्य दर्शन कराता है। लेकिन अब न जाने क्या हुआ है कि हमारी सियासत काशी के मसाने की होली ,पूरे देश में खिलवाना चाहती है। फतवे जारी कर दिए गए हैं कि होली पर विधर्मी अपने घरों से बाहर न निकलें। क्योंकि इससे होली में खलल पड़ सकती है। अरे मिया! जब महाकुम्भ में खलल नहीं पड़ी तो होली में खलल कैसे पड़ सकती है लेकिन यदि सत्ता प्रतिष्ठान चाहे तो कुछ भी मुमकिन है। होली का संदर्भ क्या है ,सन्देश क्या है? ये विद्वान बता सकते हैं। हम जैसे कूढ़ मगज तो सिर्फ इतना जानते हैं कि होली का एकमात्र सन्देश ये है कि- प्रेम को ,भक्ति को दुनिया की कोई आग नहीं जला सकती। होलिका भी नहीं ,जिसे आग में सब कुछ भस्म करने का वरदान हासिल था /होलिका प्रेम और भक्ति के प्रतीक प्रह्लाद को नहीं जला पायी और खुद जलकर राख हो गयी। खाक में मिल गयी। इसी तरह मेरा दृढ विश्वास है की सत्ता की होलिका सद्भाव के प्रह्लाद को जलाकर न राख कर सकती है और न खाक में मिला सकती है। भले ही सत्ता प्रतिष्ठान पूरे देश के कब्रस्तान और मस्जिदें खोद कर देख ले। लोगों को शायद ये पता नहीं है कि होली पर रियाया आपस में गले मिलती आयी है। आज से नहीं बल्कि आदिकाल से यानि जब से होली मानाने के सिलसिला शुरू हुआ होगा ,तब से। इस होली को अकेले हिन्दू नहीं मानते। इसमें सिख,ईसाई,मुसलमान और तो और अंग्रेज तक शामिल होते आये हैं और होते आएंगे। कोई किसी को रोक नहीं सकता,रोकता भी नहीं है। रोकना भी नहीं चाहिए ,लेकिन जो होली खेलना नहीं चाहता उसे इसमें जबरन घसीटा भी नहीं जा सकता। घसीटना भी नहीं चाहिए। होली यदि हिन्दुओं का त्यौहार है तो उसके लिए दूसरों को न तो विवश किया जा सकता है और न ही किसी को होली खेलने ,मनाने से रोका जा सकता है। स्कूल बंद होने से पहले बच्चों ने होली माना ली,खेल ली। वहां सियासत अपना काम नहीं कर पायी ,लेकिन सम्भल में रंगों के बजाय खून से होली खेलने की तैयारी जरूर की गयी है खुदा न करे की सम्भल में होली बदरंग हो ,बदनाम हो।

मैंने सात समंदर पार अमेरिका में दो-तीन बार होली मनाऐहै। वहां होली घरों में नहीं मंदिरों में जलाई जाती है और घरों में नहीं बल्कि सामूहिक रूप से सार्वजनिक बागीचों में खेली जाती है। अमेरिका में अकेले हिन्दू होली नहीं खेलता। पूरा हिंदुस्तान होली खेलता है। होली खेलने वाले से उसका मजहब नहीं पूछा जात। अमरीकी भी होली खेलते है। अपने बच्चों को होली खिलाने लाते हैं ,लेकिन यदि जिस तरह से हिन्दुस्तान में पहली बार होली खेलने कि कोशिश की जा रहीहै वैसी ही होली यदि देश के बाहर दूसरे मुल्कों में रहने वाले हिन्दुओं ने खेलना शुरू कर दी तो कबाड़ा हो जायेगा। भारतीयता का जनाजा उठ जाएगा। भारतीयता का मतलब ही सद्भाव है। हमने,आप ने इसी मुल्क में सातों जातों को होली खेलते देखा है ,लेकिन अब जान-बूझकर रंग में भंग डालने की कोशिश की जा रही है। होली सामाजिक उत्सव है ,इसमें राजनीति वाले ,मजहब वाले अपनी नाक क्यों घुसा रहे हैं ?वे थोड़े ही बताएँगे की हमें होली कैसे खेलना है? किसके साथ खेलना है? पहले तो ऐसा नहीं होता था। ये सब 2014 के बाद ही क्यों शुरू हुआ है? दुर्भाग्य ये है कि अब होली को बदरंग करने के गुप्त अभियान में नेता, भगवाधारी संत-महंत और साहित्यकार ,पत्रकार सभी शामिल हो गए हैं और जो इस कोशिश के खिलाफ खड़े हैं उन्हें विधर्मी, तथा देशद्रोही घोषित किया जा रहा है। सब मिलकर रंगों की होली को मसान की होली बना देने पर आमादा हैं। अब मजा तब आये जब मुल्क का वो समाज बढ़ -चढ़कर होली खेले,जिसे इससे अलग करने की कोशिश की जा रही है।विधर्मी अपनी मस्जिदों में जुमे की नमाज भी पढ़ें और नमाज के बाद खुलकर रंगों की होली भी खेलें ,तभी साजिशें नाकाम हो सकतीं हैं। दुनिया के किसी भी रंग से न रोजा टूटेगा और न अपवित्र होगा। जैसे हिन्दू ईद मिलने मुसलमानों के यहां जाते हैं ,वैसे ही मुसलंमान भी जुमे कि नमाज के बाद हिन्दू पड़ौसियों के यहां होली मिलने जरूर जाएँ। बहरहाल हमारे यहां तो होली जलाई भी जा रही है और खेली भी जा रही है,वो भी गलियों में ,मुहल्लों में ,बगीचों में। मसान में होली खेलने कोई नहीं गया। मसान में होली खेलने का हक केवल भगवान शिव को है और हम मनुष्य भगवान नहीं है। भगवान शिव की तरह मसान की राख से होली नहीं खेल सकते। ये अधिकार भगवान शिव ने केवल काशी वासियों को दिया है। काशी के सांसद चाहें तो काशी के मसानों में जाकर राख की होली खेल सकते हैं,किन्तु देश के मुखिया होने के नाते उनका दायित्व है कि वे होली को बदरंग न होने दें। रोकें अपने प्यादों को ऐसा करने से। मुझे यकीन है कि उनकी बात सुनी जाएगी। उनके कहने पर ये देश जब ताली और थाली बजा सकता है तो मिलजुलकर,सद्भाव से होली भी खेल सकता है।होली कोई कुम्भ स्नान नहीं है कि संगम जाकर ही किया जाये। होली तो 60 क्या 150 करोड़ देशवासी जहाँ हैं ,वहां खेल सकते हैं। किन्तु साहब के मन की बात केवल साहब ही जानते हैं। पता नहीं वे क्या चाहते हैं ? आप सभी को होली की अनन्य अनंत शुभकामनायें।

नदियों को विवाद नहीं, विकास का माध्यम बनाये

ललित गर्ग

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो?शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों के समक्ष आने वाले खतरों, जैसे प्रदूषण, आवास की क्षति और जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये हर साल 14 मार्च को, द्यनदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवसद्य मनाया जाता है, जो नदियों और उनके संरक्षण के लिए एक वैश्विक मंच है, ताकि नदियों और समुदायों की एकजुटता बढ़ाई जा सके और नदियों के महत्व के बारे में जागरूकता लाई जा सके। इस दिवस की 2025 की थीम द्यहमारी नदियाँ, हमारा भविष्यद्य है। इस दिवस की शुरूआत 14 मार्च 1997 को कुर्टिबा, ब्राजील में बांधों से प्रभावित लोगों की पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक में हुई थी। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। बढ़ते नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिये उनमें को अपशिष्ट या सीवेज, कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ, गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग को डालने से रोकना होना, हमने जीवनदायिनी नदियों को अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। दुनियाभर में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश एवं दुनिया के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं।

नदियों के लिए 28वें अंतर्राष्ट्रीय कार्य दिवस पर ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियाँ इंसानी जीवन के साथ प्रकृति, कृषि के लिये महत्वपूर्ण हैं। यह दिन व्यक्तियों और संगठनों को नदी संरक्षण की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान में भारत सहित दुनिया की तमाम नदियां संकट के दौर से गुजर रही हैं। नदियों के सामने जहां प्रदूषण व अतिक्रमण जैसी भयावह चुनौतियां खड़ी हैं, वहीं उनमें निरंतर घट रही पानी की मात्रा भी गंभीर चिंता में डालने वाला है। कस्बों व शहरों के घरेलू, औद्योगिक कचरे एवं गन्दगी के बहिस्राव के कारण नदियों ने गंदे नाले का रूप लेना प्रारंभ कर दिया है। सैकड़ों बरसाती नदियां बहुत पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। आज जब नदियां प्रदूषित हो रही हैं तो किनारे बसा समाज भी उस प्रदूषण के असर से बच नहीं पा रहा है। हमारी कृषि व्यवस्था का कुछ हिस्सा भी उससे प्रभावित हो रहा है। आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है। समूची दुनिया में पीने का शुद्ध पानी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके विश्व स्तर पर लोगों को नदियों को बचाने के बारे में बात करने के लिए अग्रसर करना एवं उनमें जागरूकता पैदा करना है। नदियाँ भी अत्यधिक खतरे में हैं, विश्व की 10 प्रतिशत से भी कम नदियां सुरक्षित हैं। इस दिवस की उपयोगिता एवं सार्थकता तभी है जब हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करें। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल दे। विनाशकारी परियोजनाओं का पदार्फाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। इस दिवस के माध्यम से एक ऐसी दृष्टि विकसित करना जो नदियों और उन पर निर्भर समुदायों की रक्षा करे। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देर्शीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है लेकिन दुर्भाग्य से प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए जरूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। घरेलू और औद्योगिक गंदा पानी बहकर जाता है, जलवायु नियंत्रण में मदद करती हैं। नदियां प्राकृतिक संपदा हैं। नदियां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रमुख स्रोत हैं, जिनके किनारे कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं।

बलई चचा की गोबर वाली होली

प्रभुनाथ शुक्ल

हमारे पूर्वांचल के गांवों में होली का पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। यहाँ होली आज भी थोड़ी बहुत जिंदा है। होली का त्यौहार हो और बलई काका उसमें न शामिल हों तो होली का कोई मतलब ही नहीं निकलता। होलियारों की टोली बलई काका के बगैर निकलती ही नहीं। यकीन मानिए गाँव में जो सबसे सरीफ लड़का होगा, वह भी होली में उदंड हो जाता है। बलई काका पूरे सत्तर साल के हो गए हैं, लेकिन होली में सत्रह बरस के लगते हैं। होली के दिन वे गाँव के बिगड़े लौड़ों के सरदार बन जाते हैं। होली के दिन उन्हीं की टोली में मिलकर खूब मस्ती करते हैं। बुढ़ौती में होली के दिन उनका बचपन जाग जाता है। वे भी उन्हीं बदमाश लड़कों की टोली में शामिल होकर रंगभरे गुब्बारे और कीचड लोगों पर डालते हैं और खींसें निपोर कर हँसते हैं। उस समय उनके चेहरे की रंगत ठीक चूसे हुए आम जैसी लगती है। बसंत के आगमन के बाद खेत -खलिहान भी धानी और पीले हो जाते हैं, लेकिन इतनी उमर गुजरने के बाद भी बलई काका के हाथ पीले नहीं हुए। वह कुंवारे के कुंवारे ही रह गए। सिर के बाल पूरे झड़ गए हैं जिसकी वजह से उनका सिर पका कद्दू जैसा लगता है। मुँह के दाँत तो खैनी रानी के प्रेम में इतने दीवाने हुए कि समय से पहले ही एक-एक कर साथ छोड़ दिया। दोनों गाल में इतने बड़े गड्ढे हो गए जैसे हमारे यहाँ की सड़कों में होते हैं। नाक का लम्बा छेद रेलवे की लम्बी सुरंग जैसा लगता है। लेकिन होली में इतने दीवाने हो जाते हैं कि गाँव -जवार के लौंडों को भी पीछे पछाड़ देते हैं। हर गुजरने वाली महिला को शोले की बसंती और अपने को गब्बर सिंह समझने की भूल कर बैठते हैं। बसंत का मौसम आते ही बलई काका के चेहरे का हाव -भाव बदलने लगता है। वह खेतों में फूली सरसों की तरह झूमने लगते हैं। अलसाई तीसी सरीखे उनके बदन में गुदगुदी होने लगती है। फूली मटर जैसे आसमान की तरफ बढ़ती है वैसे ही उनकी खुशी का ठिकाना आकाश नापने लगता है। वह होली आते-आते खिले टेंशू और बाद में मुरझाए गुलाब हो जाते हैं। ढलती शाम पनवाड़ी बाँकेलाल की दुकान से भाँग की बूटी लेने के बाद उनके जीवन का आनंद और बदल जाता है। ऊपर से पान की गिलौरी उन्हें कुंवारा आशिक और आवारा प्रेमी बना देती है। भाँग के नशे में उनके अगल -बगल से गुजरने वाली हर गाँव की दुल्हिन उनकी भौजाई लगने लगती है। बस! उनके दिमाग में जवानी के दिनों का यह गीत गूंजने लगता है... आज न छोडेंगे बस रंग डालेंगे, बस, होली है होली। होली आते ही बलई काका का यह गीत...फागुन में ददा देवर लागई फागुन में...ठेका बन जाता है। वह गाँव की गली और चौपाल से गुजरते हुए इसे गुनगुनाने लगते हैं। होली में बलई काका किसी भी महिला को नहीं छोड़ते। कच्चे मकान में अगर महिलाएं गोबरी लगा रहीं होती हैं तो उधर से गुजरते बलई काका यह गीत जरूर उन्हें सुनाते। फिर भला महिलाएं भी उन्हें कब छोड़ने वाली थीं, वह भी पीछे से गोबर का घोल या फिर नाबदान की सड़ी गाज और पानी पीछे से उनपर उड़ेल देती। फागुन में गाँव की महिलाओं का इस तरह अनूठा प्यार पाकर बलई काका का कुंवारापन कुचालें मारने लगता। मन ही मन उनके मन में लड्डू फूटने लगते।

आज का राशिफल

मेष आज दिन करियर के लिहाज से शुभ है। कारोबार में आपकी योजनाएं सफल होंगी।	**तुला** सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद सुलझ सकते हैं।
वृषभ आज दिन शुभ है। आपका ध्यान नई योजनाओं पर लगेगा और कुछ नया करने के बारे में सोच सकते हैं।	**वृश्चिक** आज दिन आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। कारोबार में योजनाएं सफल होंगी।
मिथुन रचनात्मक कार्यों में बीतेगा। जिस काम को पसंद करते हैं, उसे करने का मौका मिलेगा।	**धनु** सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी। व्यापार में थोड़ा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ हो सकता है।
कर्क आज दिन बेहद रचनात्मक रहेगा। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। जो भी काम लगन से करेंगे।	**मकर** दिन सामान्य रहेगा। साझेदारी में किया गया काम लाभ देगा। किस्मत का साथ मिलेगा।
सिंह आज दिन काफी व्यस्तता से भरा रहेगा और आपको काफी भागदौड़ करनी पड़ेगी।	**कुंभ** मनोरंजन, खेल, बच्चों का सामान, और कंसल्टेंसी से जुड़े लोगों को लाभ होगा।
कन्या आज करियर में सूझबूझ से काम लेना होगा। बातचीत में संयम और सावधानी बरतें।	**मीन** आज आप आराम के मूड में रहेंगे। घर से ही काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

विशेष

पाकिस्तान सरकार को पसीना क्यों आया

पाकिस्तान सरकार इन दिनों अपने ही देश के लोगों से खासी परेशान होती नजर आ रही है। एक तरफ इमरान खान जैसी विपक्षी परेशान करे हुए हैं तो दूसरी तरफ बलूचिस्तान के सक्रिय बीएलए गुट सरकार को न रात में चैन लेने दे रहा और दिन में ही सुकून से रहने दे रहा है। बलूचिस्तान में ट्रेन हाईजैक के बाद तो पाकिस्तान सरकार से कुछ भी बोलते नहीं बन रहा है। ऐसे में पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि जाफर एक्सप्रेस का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सभी 33 विद्रोहियों को मार गिराया गया और 122 बंधकों को सुरक्षित छुड़ा लिया गया। इससे पहले बीएलए ने 21 यात्रियों की हत्या कर दी थी, जिसमें 4 सैनिक भी शामिल थे। वैसे इस कार्रवाई से पहले 200 ताबूत भी भेजे जाने की बात सामने आई थी, इसलिए इस मामले में अभी सच्चाई आना बाकी है। जानकार बताते हैं कि जाफर एक्सप्रेस में 440 यात्री थे बाकी का क्या हुआ, सरकार को जवाब तो देना ही होगा। इसलिए अब पाकिस्तान सरकार को पसीना आ रहा है।

रान्या मामले में कर्नाटक सरकार की पलटी

अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोना तस्करी मामले में कर्नाटक सरकार ने सीआईडी जांच के आदेश को वापस लेने की बात कही है। सरकार के इस तरह फैसला पलटने से एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल सवाल किया जा रहा है कि दो दिन पहले ही सरकार ने पुलिस प्रोटोकॉल उल्लंघन का हवाला देकर सीआईडी जांच का निर्देश दिया था, फिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि सरकार ने अपने ही आदेश को पलट दिया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1558 फडीनांड प्रथम रोम नरेश बने. 1689 शिवाजी के पुत्र संभाजी को ओरंगजेब ने यातना देकर मार डाला. 1689 विलियम और मेरी इंग्लैंड के राजा-रानी घोषित किए गए. 1840 रोम में संविधान लागू हुआ. 1868 रूसी उपन्यासकार मैक्सिम गोकी का जन्म. 1879 प्रसिद्ध वेज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का जन्म. 1977 चीन ने जर्मनी से राजनयिक संबंध तोड़ लिए. 1931 भारत की पहली सवाक फिल्म आलमआर प्रदर्शन के लिए जारी की गई. 1973 अमरीका ने भारत और पाकिस्तान को हथियार बेचने पर रोक उठाई. 1988 ईरान ने एक दूसरे के शहरों पर प्रक्षेपास्त्र से हमले किए. 1990 श्रीमती अर्था पास्कल ट्राविल हैटी की प्रथम महिला राष्ट्रपति बनी. 1991 कुवैत के अमीर सात माह बाद स्वदेश लौटे. 1992 री में भूकंप से चार हजार लोग 1997 कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वीरेन्द्र पाटिल का निधन. 1998 सोनिया गांधी कांग्रेस की अध्यक्ष बनी.

दैनिक पंचांग

14 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

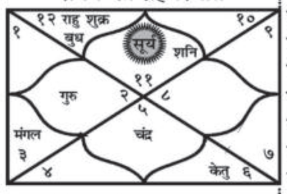

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.15 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	07.46 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.26 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.24 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.37 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.53 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.05 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.16 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.31 ब.से
राहुकाल		धनु	00.47 बजे से
10.30 से		मकर	02.52 बजे से
12.00 बजे तक		कुंभ	04.38 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 73 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 12.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 06.20 बजे को समाप्त। **योग** शूल 13.24 बजे को समाप्त। **करण** बव 12.25 बजे तदनन्तर बालव 01.27 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 31' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872283 **जूलियन दिन** 2460748.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 13 **विशेष** होली, चंद्र ग्रहण, फाल्गुन पूर्णिमा, मीना संक्रांति, लक्ष्मी जयंती, करादैयन नोम्बू।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बरसाने की होली के अद्भुत रंग

फाग उत्सव के बाद होलिका दहन और फिर धुलेंडी अर्थात धूलिवंदन मनाया जाता है। इस दिन लोग एक-दूसरे से गले मिलते हैं। मिठाइयां बांटते हैं। भांग का सेवन करते हैं। होलिका दहन के ठीक पांचवें दिन रंग पंचमी मनाई जाती है। इस दिन प्रत्येक व्यक्ति रंगों से सराबोर हो जाता है। देश के प्रत्येक प्रदेश में इस त्योहार को अलग अलग तरीके से मनाया जाता है। अर्थात कोई होलिका दहन के दिन होली मनाता है, कोई धुलेंडी के दिन तो कोई रंगपंचमी के दिन। हालांकि देशभर में इस त्योहार की धूम होलिका दहन के दिन से ही शुरू हो जाती है।

उत्तरप्रदेश और बिहार में होली की हुड़दंग का जोरदार मजा रहता है। इसे वहां फाग या फागु पूर्णिमा कहते हैं, लेकिन विश्वविख्यात है बसराने की होली। इस होली को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां कई तरह से होली खेलते हैं, रंग लगाकर, डांडिया खेलकर, लट्ठमार होली आदि। ब्रज मंडल में ही बरसाना आता है। ब्रज में रंगों के त्योहार होली की शुरुआत वसंत पंचमी से प्रारंभ हो जाती है। इसी दिन होली का डांडा गढ़ जाता है। महाशिवरात्रि के दिन श्रीजी मंदिर में राधारानी को 56 भोग का प्रसाद लगता है। अष्टमी के दिन नंदगांव व बरसाने का एक-एक व्यक्ति गांव जाकर होली खेलने का निमंत्रण देता है। नवमी के दिन जोरदार तरीके से होली की हुड़दंग मचती है। नंदगांव के पुरुष नाचते-गाते छह किलोमीटर दूर बरसाने पहुंचते हैं। इनका पहला पड़ाव पीली पोखर पर होता है। इसके बाद सभी राधारानी मंदिर के दर्शन करने के बाद लट्ठमार होली खेलने के लिए रंगीली गली चौक में जमा होते हैं। दशमी के दिन इसी प्रकार की होली नंदगाँव में होती है।

बरसाने की होली

राधा-कृष्ण के वार्तालाप पर आधारित बरसाने में इसी दिन होली खेलने के साथ-साथ वहां का लोकगीत 'होरी' गाया जाता है। फाल्गुन मास की नवमी से ही पूरा ब्रज रंगीला हो जाता है, लेकिन विश्वविख्यात बरसाने की लट्ठमार होली जिसे होरी कहा जाता है, इसकी धूम तो देखने लायक ही रहती है। देश-विदेश से लोग इसे देखने आते हैं। माना जाता है कि इसकी शुरुआत 16वीं शताब्दी में हुई थी। इस दिन कृष्ण के गांव नंदगांव के पुरुष बरसाने में स्थित राधा के मंदिर पर झंडा फहराने की कोशिश करते हैं लेकिन बरसाने की महिलाएं एकजुट होकर उन्हें लट्ठ से खदेड़ने का प्रयास करती हैं। इस दौरान पुरुषों को किसी भी प्रकार के प्रतिरोध की आज्ञा नहीं होती। वे महिलाओं पर केवल गुलाल छिड़ककर उन्हें चकमा देकर झंडा फहराने का प्रयास करते हैं। अगर वे पकड़े जाते हैं तो उनकी जमकर पिटाई होती है और उन्हें महिलाओं के कपड़े पहनाकर श्रृंगार इत्यादि करके सामूहिक रूप से नचाया जाता है।

होली का शास्त्रीय, सामाजिक और वैज्ञानिक महत्व

स्नेह, सौहार्द्र और समरसता का पर्व होली समस्त उत्तर भारत में अतिशय हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है.रंगो का यह पर्व फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को होलिका दहन के अगले दिन होता है.अनेक स्थानों पर यह त्योहार दो दिन तक चलता है. होली पर्व का कुछ प्राचीन ग्रन्थों में सांकेतिक और कुछ ग्रन्थों में स्पष्ट वर्णन प्राप्त होता है.शतपथ ब्राह्मण,भविष्यपुराण,हेमाद्रि, निर्णय सिन्धु,भागवत पुराण, नारदपुराण ,लिंग पुराण और वाराह पुराण आदि प्राचीन ग्रंथों में होली पर्व और फाल्गुन पूर्णिमा पर्व का वर्णन मिलता है. नारद पुराण इसे होलिका दहन के साथ साथ कामदेव का दाह भी कहता है. नारद पुराण के अनुसार फाल्गुन की पूर्णिमा को सब प्रकार के काष्ठों और उपलों को इकट्ठा करके रक्षोघ्न मन्त्रो द्वारा अग्नि में विधिपूर्वक होम करके होलिका पर सूखी लकड़ी आदि डालकर उसमें आग लगा दे. इस प्रकार जला कर होलिका का परिक्रमा करते हुए उत्सव मनावे. यह होलिका प्रहलाद को भय देनेवाली राक्षसी है. इसलिए गीत मंगलपूर्वक लोग उसका दाह करते हैं. मतान्तर से यह कामदेव का दाह है.होली पर्व की पृष्ठभूमि में विभिन्न कारकों पर विचार करें ,तो पहले हिरण्यकशिपु, प्रह्लाद और हिरण्यकशिपु की बहन होलिका की कथा सर्वविदित है.होलिका को ब्रह्मा का वरप्राप्त था कि वह अग्नि में भी नहीं जलती थी. भगवद्भक्त प्रह्लाद के ऊपर भगवान् से विमुख होने के लिए जब अनेक प्रकार के अत्याचार कर हिरण्यकशिपु असफल हो गया तो उसने प्रह्लाद को अग्नि में जलाने के लिए होलिका को आज्ञा दी कि वह प्रह्लाद को अपनी गोंद में लेकर जलती हुई अग्नि में प्रवेश कर जाय.परन्तु भगवान् नारायण की कृपा से प्रह्लाद तो अग्नि से बच गया किन्तु होलिका जल गयी.इस चमत्कारिक घटना से प्रसन्न लोगों ने उल्लास को प्रकट करने के लिए अवशेष भस्म को एक दूसरे पर उछाल कर आनन्द लिया और होलिका के लिए अपशब्दो का प्रयोग किया.इस प्रकार अन्याय और अत्याचार के ऊपर न्याय और सदाचार की विजय की स्मृति में होली पर्व कालान्तर में मनाया जाने लगा.चूंकि उस दिन फाल्गुन पूर्णिमा थी तो होलिकोत्सव भी इसी तिथि पर मनाया जाता है.

होली पर्व के मनाने के पीछे दूसरा कारक यह है कि फाल्गुन की समाप्ति पर रवी की फसलें लगभग पकने की स्थिति में आ जाती हैं.संस्कृत में आग में भुने हुए अन्न को होलक: कहते हैं.शब्द कल्पद्रुम में होलक: शब्द का अर्थ लिखा है –

तृणाग्निभृष्टार्धदपक्वशमीधान्यम

भावप्रकाश में भी कहा गया है

अर्द्धपक्वै :शमीधान्यैस्तृणभृष्टैश्च होलक:.

अर्थात् आधे पके हुए शमी, धान्य , तृण को होलक कहते हैं.

हमारे हिन्दू सनातन धर्म में यह मान्यता है कि नूतन अन्न को पहले देवताओं को अर्पित करने के बाद ही उपयोग में लिया जाता है. वैदिक वाड्मय में अग्नि को देवताओं का मुख कहा गया है. अग्निर्वै देवानां मुखम्– शतपथ ब्राह्मण.इसलिए यज्ञ में अग्नि के माध्यम से देवताओं को हवि पहुंचायी जाती है.आज भी होली में लोग पके हुए अन्न को पौधों सहित डालते हैं. गेहूं, जौ, अलसी आदि के फल सहित पौधों को होलिका (प्रज्ज्वलित अग्नि)के माध्यम से देवताओं को अर्पण किया जाता है.होली के बाद ही रवी के फसलों की कटाई शुरू होती है.इस प्रकार होली पर्व का कृषिक और धार्मिक महत्त्व सुस्पष्ट है. भविष्य पुराण अध्याय 133 में कहा गया है कि प्राचीन काल में ढुण्ढा नामकी एक राक्षसी शिवजी द्वारा वरदान प्राप्त करके अवध्य होकर छोटे शिशुओं को कष्ट, पीड़ा और व्याधि दिया करती थी, उसी को बुरी बुरी गालियाँ देकर इस दिन लोग उसके पुतले को जलाते हैं.

होली का त्यौहार वसन्त ऋतु में मनाया जाता है.वस्तुत: वसन्त ऋतु हर्ष, उल्लास, उमंग और आनन्द की ऋतु होती है.उल्लास और रंग एक दूसरे के पूरक हैं.प्रकृति भी इस समय उल्लासमय होती है.संस्कृत साहित्य में अनेकश:वर्णन है कि प्राचीन काल में वसन्त ऋतु में आनन्द मनाये जाने के क्रम में श्रृंगार रस के नाटकों का मंचन होता था. वासन्तिक वायु मनुष्यों में काम, आनन्द और मस्ती का संचार करती है.इस प्रकार होली का पर्व उल्लास, रंग और अल्हण का उत्सव है. मनोविनोद , हास– परिहास से लोंगो का स्वास्थ्य उत्तम रहता है.मनुष्य स्वभाव से उत्सव धर्मी प्राणी रहा है. आयुर्वेद की दृष्टि से विचार करने पर यह स्पष्ट होता है कि होली का पर्व शीतऋतु के तुरन्त बाद आता है.शीत ऋतु में मनुष्यों में कफ श्लेष्मा की मात्रा बढ जाती है. यह कफ और श्लेष्मा होली की उष्मा से पिघलती है.भुना हुआ अन्न और गुड कफ –नाशक होता है.भावप्रकाश में लिखा है कि

होलकोह्यल्पानिलो मेद:

कफदोषश्रमापह:.

अन्न

में गुड़ मिलाना कफ के निस्तारण में उपयोगी होता है– गुडेन वर्द्धित:श्लेष्मा सुखं वृद्धया निपात्यते.भुने हुए अन्न की चर्चा ऊपर की गयी है होली के समय सभी घरों में गुड आदि मीठे की गुझिया बनाने की व्यापक परम्परा है.गुझिया के अन्दर गुड ,मेवा सहित सोंठ आदि जो पदार्थ भरे जाते हैं वे सभी कफ और श्लेष्मा को नष्ट करते हैं.इसलिए गुझिया आदि पक्वान्न होली पर खाना स्वास्थ्य वर्धक है. आजकल लोगों के अन्दर आन्तरिक आह्लाद, प्रसन्नता और उत्साह की कमी होती जा रही है. होली के अवसर पर बृहद् रूप से गाने– बजाने का कार्यक्रम होता है और लोग उसमें स्वेच्छा से भागीदारी करते हैं. मस्ती से सराबोर होकर नाच गाना हास्य परिहास, विनोद, हँसी मजाक करते हैं. इससे लोगों के भीतर का विषाद मिटता है और उनके चित्त में प्रसन्नता का संचार होता है. आयुर्वेद के अनुसार प्रसन्न चित्त लोगों के सभी रोग नष्ट हो जाते है. होली पर्व के सामाजिक समरसता के महत्त्व को रेखांकित किये बिना यह चर्चा अधूरी रहेगी.होली एकमात्र ऐसा त्योहार है जिसमें लोगों के बीच ऊच– नीच, छोटे– बडे का कोई भेद भाव नहीं रहता. सभी जाति और वर्ग के लोग मिल जुल कर इस पर्व को मनाते हैं. नर और नारी दोनों मिलकर इस अनुपम त्योहार को उत्साह पूर्वक सार्वजनिक रूप से मनाते हैं.चूंकि यह सामूहिक त्योहार है, इसलिए भी इसमें सभी की भागीदारी आवश्यक होती है. होली का त्योहार अकेले मनाया जाने वाला त्यौहार नहीं है.

एक वर्ष के अन्दर लोगों के बीच जो भी मतभेद और गिला शिकवा होता है वह सब होली की आग में भस्म हो जाता है.होली पर बिना किसी भेदभाव के लोग एक दूसरे के गले मिलते हैं. इस प्रकार रंगो का महापर्व होली स्वास्थ्य, धार्मिक परम्परा, कृषकों की समृद्धि, उल्लास और मनोविनोद एवं सामाजिक सद्भाव बढाने वाला उत्सव है. आज पूरे देश में सामाजिक समरसता और सामाजिक सद्भाव और पारस्परिक प्रेम की महती आवश्यकता है. होली का त्योहार समाज में अपेक्षित सामाजिक सौहार्द, सद्भाव, मेलजोल और भाईचारे को बढ़ावा देता है.

ब्रज में टेसू के फूलों की होली

होलिका दहन के बाद देश के हर हिस्से में होली मनाई जाती है, वृंदावन-मथुरा के केंद्र में स्थित ब्रज में राधा-कृष्ण की पवित्र भूमि में सबसे अनूठा उत्सव मनाया जाता है। ऐसे में हम आपको ब्रज की भूमि में खेली जाने वाली कुछ अजब गजब होली के बारे में बता रहे है। जो अपनी अनूठी परम्पराओं के चलते विश्व भर में प्रसिद्ध है।

यह होली चूंकि ब्रज भूमि के गांव में मनाईं जाती हैं, इसलिए त्यौहार को ब्रज की होली भी कहा जाता है। यहां, उत्सव अक्सर बसंत पंचमी से शुरू होते हैं और होली के अंतिम दिन से 2-3 दिन बाद तक चलते हैं! कुल मिलाकर होली को लेकर ब्रज की अपनी कुछ खास परम्पराएं हैं। ब्रज की प्रमुख होली में अलीगढ़ की टेसू के फूलों की होली, लड्डू की होली- बरसाना,रंगीली गली में लठमार होली- बरसाना, फूलों की होली और रंगबर्नी होली, विधवाओं के लिए गुलाल की होली- वृंदावन,होलिका दहन- बांके बिहारी मंदिर, नंदगांव का हुरंगा- दाऊजी मंदिर खास हैं।

ब्रज की होली का आकर्षण देश ही नहीं दुनिया में देखने को मिलता है। ब्रज की होली की यह ख्याति सदियों से है। स्वर्ग बैकुंठ में होरी जो नांहि, तो कहा करैं लै कोरी ठकुराईकिशनगढ़ रियासत के महाराज नागरीदास का यह पद ब्रज की होली के इस प्राचीन वैभव को दर्शाता है।

वैसे तो बसंत पंचमी से ही ब्रजक्षेत्र में आने वाले अलीगढ़ के मंदिरों में भी होली शुरू हो जाती है। ठाकुर जी की पोशाक, श्रृंगार से लेकर भोग तक में इसकी झलक दिखती है। इसमें ब्रज की प्राचीन पारंपरिक होली से जुड़ा परिदृश्य देखने को मिलता है। भले ही अब होली के परिदृष्य में प्राकृतिक रंग सिर्फ गायन तक ही सिमट कर रह गए हैं। बदलते समय में अब सिर्फ कुछ मंदिरों में टेसू के फूलों का रंग भले ही झइस परंपरा को निभाए हुए हैं। वहीं अलीगढ़ के बाजार टेसू के फूलों से होने वाली ब्रज की इस परंपरा को आज भी कायम रखे हुए है। यहां इसे छोटी होली के नाम से भी पहचाना जाता है। होलिका दहन से पूर्व पुराने शहर के बाजारों में बड़े-बड़े ड्रमों में टेसू के फूलों से तैयार होने वाले रंग से होली खेली जाती है।

मथुरा की होली

वृंदावन में उत्सव समाप्त होने के बाद मथुरा में उत्सव शुरू किया जाता है। मथुरा के श्री द्वारकाधीश मंदिर में कई तरह के रंग बिरंगे और सुगंधित फूलों से होली मनाई जाती है। होली के दिन द्वारकाधीश मंदिर में भव्य समारोह आयोजित किए जाते हैं। उत्सव यहां ही समाप्त नहीं होता है। होली के एक दिन बाद शहर के बाहर दाऊजी मंदिर में दर्शन किए जाते हैं।

दाऊजी मंदिर, नंदगांव का हुरंगा

रंगीन होली के एक दिन बाद यह उत्सव मनाया जाता है। इसमें महिलाएं पुरुषों के कपड़े फाड़ देती हैं और उन्हें अपने फटे-पुराने परिधानों से पीटती हैं। यह विशेष अनुष्ठान केवल दाऊजी मंदिर के प्रांगण में होता है जो मथुरा से लगभग 30 किमी दूर स्थित है।

बांके बिहारी मंदिर

दानव होलिका को जलाने का प्रतीक.

होलिका दहन या छोटी होली को होलिका दहन के साथ मनाया जाता है जो दानव होलिका को जलाने का प्रतीक है। यह आमतौर पर रंगवाली होली से पहले शाम को किया जाता है।

भारत में रंगों का उत्सव होली मनाने का एक अलग है अंदाज

भारत में कई स्थानों पर होली का त्योहार मनाया जाता है। चूँकि, भारत एक बड़ा देश है, इसलिए प्रत्येक शहर का रंगों का उत्सव मनाने का एक अलग अंदाज और तरीका है।

मथुरा की होली भारत के अन्य क्षेत्रों में मनाई जाने वाली होली से काफी अलग है। इस क्षेत्र में यह त्योहार होली की औपचारिक शुरुआत से 40 दिन पहले शुरू हो जाता है। वे पर्यटक जो पारंपरिक होली के जश्न का आनंद उठाना चाहते हैं उनके लिए यह स्थान सबसे आदर्श है। ऐसी मान्यता है कि भगवान कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ था, इसलिए यह शहर भारतीय भक्तगणों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। शांति निकेतन उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो स्थानीय नृत्य कलाएं सीखना चाहते हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहते हैं। चूँकि, इस क्षेत्र में बहुत सक्रिय पर्यटन विभाग है, इसलिए यह कई विदेशियों को आकर्षित करता है।

पेरुली में होली का जश्न लोक उत्सव पर आधारित होता है जो उस क्षेत्र की पारंपरिक कला और संगीत को प्रदर्शित करता है। चूँकि, पेरुली एक ग्रामीण इलाका है, इसलिए यहाँ मनाया जाने वाला जश्न बड़े भारतीय शहरों में मनाए जाने वाले होली के जश्न से पूरी तरह अलग होता है।

आनंदपुर साहिब में सिख जनसंख्या अपने अंदाज में होली का त्योहार मनाती है। रंग फेंकने के बजाय, इस क्षेत्र के लोग असाधारण मार्शल आर्ट्स प्रदर्शन और प्रतियोगिता आयोजित करते हैं। भारत के इस क्षेत्र में कुश्ती प्रतियोगिताएं और कलाबाजी के प्रदर्शन सामान्य हैं। अद्भुत होली के जश्न की तलाश में आने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर सबसे अच्छी जगह है। इस शहर में रंगों का उत्सव हाथियों और सुंदर संगीत पर केंद्रित होता है।

आधुनिक होली के जश्न के लिए दिल्ली सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। दिल्ली में उत्सव का आनंद लेने के लिए आने वाले लोग सबसे लोकप्रिय गतिविधियों, संगीत और भोजन का आनंद उठा सकते हैं।

होली एक जीवंत त्योहार है जो भारतीय लोगों को अपने दोस्तों और परिजनों के साथ मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने का अवसर देता है। होली का जश्न होली से एक दिन पहले होलिका दहन के साथ ही शुरू हो जाता है।

पारंपरिक रूप से, सर्दी के समापन के प्रतीक के रूप में लकड़ियाँ और सूखे पत्ते एकत्रित करके अलाव में आग जलाना पुरुषों और लड़कों का कार्य होता है। दुर्भाग्य से, होलिका जलाने के लिए हरे-भरे पेड़ों को काटने के साथ वर्तमान में इस परंपरा में परिवर्तन हो रहा है। होली के रंग बहुत विशेष होते हैं और इस दिन का उत्साह बढ़ा देते हैं। पुराने जमाने में, लोगों को लगाने के लिए प्रयोग किये जाने वाले रंग प्राकृतिक होते थे लेकिन अब उनमें से कई रंग कृत्रिम होते हैं और कुछ रंगों में घातक रसायन भी होते हैं जिसकी वजह से कुछ लोगों की त्वचा पर जलन होने लगती है। होली के जश्न के दौरान, लोग एक-दूसरे पर सुगंधित, रंगीन गुलाल डालते हैं।

दूरदराज के रेलवे प्रोजेक्ट्स को मिलेगी मदद

अश्विनी वैष्णव बोले- मस्क की कंपनी का भारत में स्वागत

नईदिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का भारत में स्वागत किया। इस दौरान वैष्णव ने कहा कि कंपनी से दूरदराज के इलाकों में रेलवे परियोजनाओं को मदद मिलेगी।

वैष्णव ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, स्टारलिंक, भारत में आपका स्वागत है! इससे दूरदराज के क्षेत्रों की रेलवे परियोजनाओं को मदद मिलेगी।

वैष्णव, जो सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री भी हैं, की यह टिप्पणी मुकेश अंबानी की जियो प्लेटफॉर्म्स और सुनील मित्तल की भारती एयरटेल के साथ समझौतों के बाद आई है। ये समझौते मस्क की कंपनी स्पेसएक्स द्वारा भारत में स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं लाने के लिए किए गए हैं। ये दोनों डील महीनों से इस बात पर चल रही बहस के बाद हुई हैं कि

मस्क के उद्यम को स्पेक्ट्रम अधिकार कैसे दिए जाने चाहिए।

जियो-एयरटेल ने की थी स्पेक्ट्रम नीलामी की मांग- पिछले कुछ महीनों में, जियो और एयरटेल ने भारत में सैटेलाइट सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम देने के लिए नीलामी की मांग की थी, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि प्रशासनिक आवंटन से मस्क को कम कीमत पर एयरवेव मिल जाएगी।

स्टारलिंक दुनिया का सबसे बड़ा लो-अर्थ-ऑर्बिट- जियो रिटेल आउटलेट और ऑनलाइन स्टोर में स्टारलिंक उपकरण पेश करेगा और ग्राहक इंस्टॉलेशन और एक्टिवेशन का समर्थन भी करेगा। जियो और स्पेसएक्स यह भी देखेंगे कि वे एक-दूसरे की पेशकश को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। बता दें कि स्टारलिंक स्पेसएक्स द्वारा संचालित दुनिया का सबसे बड़ा लो-अर्थ-ऑर्बिट तारामंडल है।

भारती एयरटेल ने स्पेसएक्स से समझौता करने की घोषणा की- मंगलवार को, भारती एयरटेल ने घोषणा की कि वह गैर-अनन्य आधार पर भारत में स्टारलिंक की हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा लाने के लिए स्पेसएक्स के साथ समझौता कर रही है। एयरटेल पहले से ही दूसरे सबसे बड़े स्थ्रह तारामंडल यूटेलसैट वनवेब के साथ साझेदारी कर रही है। इसके अलावा, जियो प्लेटफॉर्म्स का एक अन्य प्रमुख वैश्विक उपग्रह-आधारित कनेक्टिविटी प्रदाता स्थ्रस के साथ संयुक्त उद्यम है।

एसआईए-इंडिया ने एयरटेल और जियो के साथ स्पेसएक्स की साझेदारी का स्वागत किया

इसके अलावा, सैटकॉम इंडस्ट्री एसोसिएशन–इंडिया (एसआईए–इंडिया) ने भी एयरटेल और रिलायंस जियो के साथ एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की रणनीतिक साझेदारी का स्वागत किया। एसआईए–इंडिया के महानिदेशक अनिल प्रकाश ने कहा, ये सहयोग ब्रॉडबैंड सेवाओं का विस्तार करने में मदद करेंगे और बंदरगाहों, ग्रामीण उद्यमों, खनन, तेल क्षेत्रों, गांवों और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) जैसे उद्योगों में कनेक्टिविटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जहां उपग्रह प्रौद्योगिकी काफी लाभ पहुंचा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि ये साझेदारियां मौजूदा नेटवर्क के साथ मिलकर सामाजिक–आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगी, डिजिटल समावेशन को प्रोत्साहित करेंगी, और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, ई–गवर्नेंस और कृषि जैसे क्षेत्रों में नए व्यावसायिक अवसर पैदा करेंगी।

महाकुंभ के कारण मांसाहारी खाने की खपत घटी

सब्जियों की महंगाई में गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। खुदरा महंगाई में तेज गिरावट के पीछे इस बार महाकुंभ का योगदान है। एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि महाकुंभ के दौरान लोगों ने मांसाहारी खाना से परहेज किया। इससे लहसुन और प्याज की खपत में भारी कमी आई। सब्जियों में इन दोनों का योगदान सबसे ज्यादा होता है। इसलिए इनकी खपत घटने से सब्जियों की महंगाई घटी है।

एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, खाद्य एवं पेय पदार्थों की महंगाई में भारी नरमी (मासिक आधार पर 1.85 फीसदी घटकर 3.84 प्रतिशत) के कारण फरवरी में खुदरा महंगाई 7 महीने के निचले स्तर 3.6 प्रतिशत पर आ गई। यह गिरावट सब्जियों के दाम में कमी के कारण हुई, जो 20 महीनों के बाद नकारात्मक 1.07 फीसदी पर आ गई। इसमें 80 फीसदी गिरावट केवल तीन सब्जियों (लहसुन, आलू, टमाटर) के कारण हुई। दिलचस्प यह है कि सबसे अधिक गिरावट लहसुन में हुई है, जो संभवत: महाकुंभ के दौरान मांसाहारी वस्तुओं की कम खपत को दर्शाती है।

नवरत्न कंपनी को वायु सेना से 2463 करोड़ का मिला ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस कंपनी ने भारतीय वायु सेना से रडार सिस्टम के लिए 2463 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिलने का ऐलान किया है। इस अपडेट के बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर गुरुवार को सुबह के कारोबार में उछल पड़े। बीईएल ने बुधवार को भारतीय वायु सेना से अश्विनी रडार के लिए 2,463 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिलने की घोषणा की थी।

बीईएल ऑर्डर की डिटेल

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, नवरत्न डिफेंस सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ने अश्विनी रडार की आपूर्ति और सेवाओं के लिए रक्षा मंत्रालय के साथ 2,463 करोड़ रुपये (टैक्स को छोड़कर) के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। बीईएल के अनुसार इन पूर्णत स्वदेशी एईएसए राडारों को डीआरडीओ और बीईएल द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है और इन्होंने ऊंचाई में इलेक्ट्रॉनिक स्कैनिंग के साथ इंटीग्रेटेड आईएफएफ किया है और 4डी निगरानी करने में सक्षम हैं। अपग्रेडेड ईसीसीएम सुविधाओं वाले ये मोबाइल रडार सभी इलाकों में तैनात किए जा सकते हैं और ऑटोमेटिक रूप से लड़ाकू विमानों से लेकर धीमी गति से चलने वाले लक्ष्यों तक के हवाई लक्ष्यों का पता लगा सकते हैं और ट्रैक कर सकते हैं।

बीईएल शेयर प्राइस ट्रेंड- गुरुवार को बीएसई पर बीईएल के शेयर 282.45 रुपये पर खुले और पिछले दिनों के बंद 276.75 रुपये के मुकाबले लगभग 2 प्रतिशत अधिक थे।

सोने की बढ़ी चमक, चांदी की घटी

नईदिल्ली, एजेंसी। शादियों का सीजन खत्म होने के बावजूद सोने की कीमतों में तेजी जारी है। आज भी सोने की चमक बढ़ी है जबकि, चांदी की घट गई है। सर्राफा बाजार के लेटेस्ट भाव के मुताबिक होली से पहले आज 13 मार्च को 24 कैरेट सोना बुधवार के बंद भाव 86143 रुपये के मुकाबले 529 रुपये महंगा होकर 86672 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं, चांदी के रेट 150 रुपये टूटकर 97950 रुपये प्रति किलो पर आ गए। सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 527 रुपये महंगा होकर 86325 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर 485 रुपये उछलकर 79392 रुपये पर खुला। 18 कैरेट का भाव भी 397 रुपये महंगा होकर 65004 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

इस साल सोना 10932 और चांदी 11933 रुपये महंगी

मार्च में अब तक सोना 1616 रुपये और चांदी 4470 रुपये उछल चुकी है। 28 फरवरी को सोने का भाव 85056 रुपये था। जबकि चांदी की कीमत 93480 रुपये। साल 2025 में अब तक सोना 10932 रुपये और चांदी 11933 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ था।

एपल ने संवेदनशील जानकारी तक पहुंच से भारत में प्रतिद्वंद्वियों को रोका

नईदिल्ली, एजेंसी। आईफोन निर्माता एपल ने भारत में अपने प्रतिद्वंद्वियों मैच और स्टार्टअप्स के एक समूह को अपनी व्यावसायिक रूप से संवेदनशील जानकारी तक पहुंचने से रोक दिया है। पिछले वर्ष भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने जांच में पाया कि एपल ने अपने आईओएस ऑपरेटिंग सिस्टम पर एप स्टोर्स के बाजार में अपनी प्रमुख स्थिति का फायदा उठाकर एप

डेवलपर्स, यूजर्स और अन्य भुगतान प्रोसेसरों को नुकसान पहुंचाया। हालांकि, एपल ने किसी भी गलत काम से इन्कार किया है। उसका कहना है कि वह भारत में एक छोटी कंपनी है, जहां गूगल के ऑपरेटिंग सिस्टम वाले फोन का बोलबाला है। उधर, सीसीआई की जांच प्रक्रिया समाप्त हो गई है, लेकिन अभी निष्कर्षों की समीक्षा करनी है जिसके बाद अंतिम निर्णय आएगा। अगर यह साबित हो जाता है कि कंपनी गलत कार्य में शामिल है, तो एपल को जुर्माना भरने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। स्टार्टअप समूह अलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) ने सीसीआई से कुछ गोपनीय जानकारी तक पहुंच की मंजूरी देने की अपील की थी, जिसमें डेवलपर भुगतान और कुल बिलिंग का विवरण शामिल था।

70 पर जाएगा सुजलॉन एनर्जी का शेयर

मार्च महीने में लगातार चढ़ रहा भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयर लगातार चर्चा में हैं। कंपनी के शेयर में आज गुरुवार को तगड़ी तेजी देखी गई। सुजलॉन एनर्जी के शेयर 2 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 54.96 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इस साल अब तक यह शेयर 16 प्रतिशत तक टूटा है। लेकिन इस महीने मार्च में इसमें 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई। लगातार पांच महीनों तक गिरावट के बाद सुजलॉन एनर्जी के शेयर की कीमत निवेशकों के रडार पर है।

सुजलॉन एनर्जी शेयर प्राइस- सुजलॉन एनर्जी के शेयर पिछले साल 12 सितंबर को 86.04 के 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए थे, उसके बाद रिकवरी फेज में प्रवेश कर गया। फरवरी के अंत तक, शेयर अपने शिखर से 42 प्रतिशत से अधिक गिर गया था। हालांकि, शेयर अभी भी अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर

35.50 से ऊपर है, जो पिछले साल 14 मार्च को पहुंचा था।

क्या यह खरीदने लायक स्टॉक है- इस स्टॉक में हाल ही में तेजी तब आई जब कंपनी ने 4 मार्च को घोषणा की कि वह जिंदल रिन्यूएबल्स के साथ अपने सबसे बड़े कामर्शियल और इंडस्ट्रियल ऑर्डर का विस्तार कर रही है।

एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, कंपनी ने जिंदल रिन्यूएबल्स की सहायक कंपनी जिंदल ग्रीन विंड 1 प्राइवेट लिमिटेड से 204.75 मेगावाट का तीसरा ऑर्डर हासिल किया, जिससे भारत में कम सीओ2 स्टील क्रांति को और गति मिली।

क्या है टारगेट प्राइस

शेयर की कीमत में भारी गिरावट को देखते हुए, ब्रोकरेज फर्म इन्वेस्टेक ने 70 के टारगेट प्राइस के साथ बाय कॉल के साथ स्टॉक पर कवरेज शुरू किया। कंपनी की मजबूत विकास संभावनाएं और स्टॉक का अट्रैक्टिव वैल्यूएशन सुजलॉन को लंबी अवधि खरीद के लिए आकर्षक बनाता है। तकनीकी एनालिस्ट का भी मानना है कि स्टॉक में आगे की बढ़त के लिए अनुकूल सेटअप है। पटेल ने कहा, शेयर अब क्यू3 प्रतिरोध से ऊपर बना हुआ है, जो तेजी का संकेत है। अगर सुजलॉन दो से तीन सेशंस तक 54 से ऊपर बना रहता है, तो यह मजबूती की पुष्टि कर सकता है और संभावित रूप से 58 के स्तर की ओर बढ़ सकता है।

फंड हाउसों ने मामला सामने आने से पहले इंडसइंड बैंक के 1.6 करोड़ शेयर बेचे

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडसइंड बैंक के डेरिवेटिव खातों में गड़बड़ी का मामला सामने आने से पहले ही म्यूचुअल फंड हाउसों ने बैंक के 1.6 करोड़ शेयर बेच दिए थे। फंड हाउसों के पास कुल 20.7 करोड़ शेयर फरवरी में थे। इनका बाजार मूल्य 28 फरवरी तक 19,884 करोड़ रुपये था। जनवरी में 22.3 करोड़ शेयर थे। कुछ ब्रोकरेज हाउसों ने मामला सामना आने से पहले ही बैंक के शेयर को डाउनग्रेड कर दिया था। यह स्टॉक म्यूचुअल फंड उद्योग में सबसे ज्यादा कटौती वाले स्टॉक में से एक था। क्वांट म्यूचुअल फंड ने जिन तीन शेयरों को हाल में खरीदा था, उसमें से एक इंडसइंड बैंक भी था। इसने फरवरी में 300 करोड़ रुपये के 30.77 लाख शेयर खरीदे थे। कोटक म्यूचुअल फंड ने फरवरी में 509 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। बंधन म्यूचुअल फंड के पास 900 करोड़ रुपये के 93.47 लाख शेयर थे और यह फंड हाउस की शीर्ष 10 होल्डिंग्स में से एक था। पीपीएफएएस म्यूचुअल फंड ने फरवरी में 29 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

35 फंड हाउसों की 360 स्कीम का निवेश

28 फरवरी तक इंडसइंड बैंक में करीब 35 फंड हाउसों की 360 स्कीमों का निवेश था। पांच फंड हाउस 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश था। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का सबसे अधिक 3,778 करोड़ रुपये था।

आईटी शेयरों में 88000 करोड़ डूबने से मंदी की आहट

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर का बाजार उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। अमेरिकी मंदी की आशंकाओं, रेटिंग में गिरावट और लक्षित मूल्य कटौती (टार्गेट प्राइस कट्स) ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इसका नतीजा यह हुआ कि भारत की टॉप 10 आईटी कंपनियों के शेयर अपने शिखर से 33 प्रतिशत तक गिर चुके हैं। इनका कुल बाजार मूल्य 88,000 करोड़ रुपये तक घट गया है। निफ्टी आईटी इंडेक्स अब गिरावट के क्षेत्र में प्रवेश कर गया है।

भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा प्रदाता कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज अपने उच्चतम स्तर से 23 प्रतिशत तक लुढ़क गई है, जिससे निवेशकों को 3.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। टॉप 10 आईटी कंपनियों में से आठ मंदी की गिरफ्त में हैं, जिनमें इंफोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा भी शामिल हैं। एलटीआई माइंडट्री को सबसे अधिक 33 प्रतिशत की गिरावट का झटका लगा है, जबकि विप्रो इस सूची में सबसे कम प्रभावित हुआ है, लेकिन यह भी 16 प्रतिशत नीचे है। बाजार में जारी हलचल के बीच मंदी को लेकर सुगबुगाहट तेज है।

मंदी आ रही है क्या

अक्सर जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आता है, महंगाई बढ़ती है या कंपनियां छंटनी करने लगती हैं, तो

यह सवाल जोर पकड़ने लगता है- मंदी आ रही है क्या वैश्विक बाजार में पिछले कुछ दिनों में मंदी की सुगबुगाहट बढ़ी है। अमेरिका में ऊंची महंगाई और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती में देरी से बाजार में अनिश्चितता बढ़ रही है। इससे आईटी कंपनियों की ग्रोथ पर असर पड़ रहा है और भारतीय कंपनियां भी इससे अछूती नहीं हैं। जेपी मॉर्गन के प्रमुख अर्थशास्त्री ने 2025 में अमेरिकी मंदी की संभावना 40 प्रतिशत तक आंकी है। गोल्डमैन सैक्स और मॉर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों ने भी अमेरिकी जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटाकर क्रमशः 1.7 प्रतिशत और 1.5 प्रतिशत कर दिया है। आईटी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट और निवेशकों का डूबता पैसा मंदी की आहट के संकेत दे रहा है। ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि मंदी है क्या, आती कैसे है और इसका आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ सकता है

मंदी किस बला का नाम है

मंदी एक आर्थिक गिरावट की स्थिति है, जो कुछ महीनों से लेकर सालों तक बनी रह सकती है। यह तब आती है जब किसी देश की अर्थव्यवस्था दो तिमाहियों (लगातार छह महीनों) तक सिकुड़ती रहती है। इस गिरावट को आमतौर पर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में कमी के आधार पर मापा जाता है।

हालांकि, सिर्फ जीडीपी में गिरावट ही मंदी का संकेत नहीं देती। मंदी में बेरोजगारी बढ़ने, उपभोक्ता और बिजनेस खर्च में कमी, उद्योगों के ठप होने और वित्तीय बाजारों में अस्थिरता का भी हाथ होता है। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि अर्थव्यवस्था के अलग-अलग चरणों में मंदी भी एक महत्वपूर्ण चरण है।

मंदी और आर्थिक महामंदी में क्या अंतर है- मंदी और महामंदी के बीच सबसे बड़ा अंतर अवधि और उसकी गंभीरता का होता है। मंदी कुछ महीनों या सालभर तक रह सकती है।

ऐसी स्थिति जहां मंदी कई वर्षों तक चलती है और अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित करती है, तो उसे महामंदी कहते हैं। 1929 की ग्रेट डिप्रेशन (महामंदी) इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था तबाह हो गई थी।

मंदी क्यों आती है

- **असेट बबल** – जब किसी विशेष उद्योग में अनियंत्रित तेजी आती है, तो निवेशक उसमें पैसा लगाते चले जाते हैं।
  लेकिन जब यह वृद्धि टिकाऊ नहीं रहती और बबल फूटता है, तो पूरी अर्थव्यवस्था पर इसका असर पड़ता है। इसके उदाहरण हैं– 1990 के दशक का डॉट–कॉम बबल और 2008 की हाउसिंग क्राइसिस।
- **अर्थव्यवस्था में बहुत अधिक तेजी** –अगर किसी देश की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से बढ़ती है, तो संसाधन और कुशल श्रम की कमी होने लगती है। इससे कंपनियों का मुनाफा गिरने लगता है और वे छंटनी शुरू कर देती हैं, जिससे मंदी का खतरा बढ़ जाता है।
- **वैश्विक झटके** –आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था अन्य देशों और घटनाओं पर निर्भर करती है। युद्ध, महामारी और वैश्विक आर्थिक संकट मंदी का कारण बन सकते हैं। 2020 की कोरोना महामारी ने पूरे विश्व को आर्थिक मंदी में धकेल दिया था।

मंदी का क्या है इतिहास

अमेरिका के राष्ट्रीय आर्थिक अनुसंधान ब्यूरो के अनुसार, वहां अब तक कई बार मंदी आ चुकी है।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

शुभमन गिल ने बनाया रिकॉर्ड, जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ फरवरी से नवाजा गया है. इस तरह शुभमन गिल ने तीसरी बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीता है. बहरहाल, इस मामले में शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ दिया है. अब तक जसप्रीत बुमराह सबसे ज्यादा बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय क्रिकेटर थे. जसप्रीत बुमराह ने 2 बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीता है. लेकिन अब शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ दिया है.

शुभमन गिल ने स्टीव स्मिथ और ग्लेन फिलिप्स को पीछे छोड़ा

दरअसल, पिछले महीने शुभमन गिल ने वनडे फॉर्मेट में रनों की बारिश कर दी. शुभमन गिल ने 101.50 की एवरेज से वनडे फॉर्मेट में 406 रन बनाए. आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ फरवरी के लिए शुभमन गिल के अलावा ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को नॉमिनेट किया गया था, लेकिन शुभमन गिल ने अवॉर्ड अपने नाम कर लिया. वहीं, पिछले दिनों रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीता. टीम इंडिया की जीत में शुभमन गिल का अहम योगदान माना गया. इस बल्लेबाज ने अपने बल्ले से भारतीय टीम का काम आसान कर दिया.

ऐसा रहा है शुभमन गिल का करियर

बताते चलें कि शुभमन गिल ने 55 वनडे मैचों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है. इस फॉर्मेट में शुभमन गिल ने 99.57 की स्ट्राइक रेट और 59.04 की एवरेज से 2775 रन बनाए हैं. इस बल्लेबाज ने वनडे फॉर्मेट में 8 शतक जड़े हैं. इसके अलावा उन्होंने 15 बार पचास रनों का आंकड़ा पार किया है. इस फॉर्मेट में शुभमन गिल का बेस्ट स्कोर 208 रन रहा है. दरअसल, शुभमन गिल वर्ल्ड क्रिकेट के बेहद चुनिंदा बल्लेबाजों में शुमार हैं, जिन्होंने वनडे फॉर्मेट में डबल सेंचुरी बनाने का कारनामा किया है.

लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए बतौर बल्लेबाज खेलेंगे मिचेल मार्श

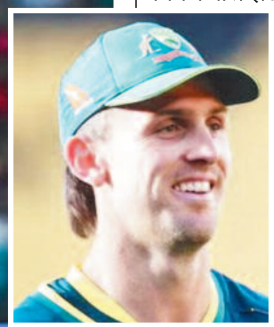

लखनऊ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स (रूस्त्र) के लिए बतौर बल्लेबाज खेलेंगे। विशेषज्ञ की सलाह के बाद समस्या से उबरने के बाद पिछले कुछ सप्ताह से उन्होंने बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू किया है और उन्हें आईपीएल मे केवल बल्लेबाज के रूप में खेलने की अनुमति मिली है। मार्श को एलएसजी ने उन्हें पिछले साल नीलामी में 3.40 करोड़ रुपए में खरीदा था। मार्श 18 मार्च को एलएसजी की टीम के साथ जुड़ सकते हैं। पिछले वर्ष सितंबर में इंग्लैंड दौरे से मिचेल मार्श डिस्क संबंधी समस्या से परेशान रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। उन्होंने फरवरी की शुरुआत में विशेषज्ञ की सलाह पर समस्या से उबरने के लिए आराम करने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने बल्लेबाजी अभ्यास शुरु किया था।

पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर बैन

चैंपियंस ट्रॉफी हारने के बाद इस बड़ी लीग से सभी पाकिस्तानी बाहर

द हंड्रेड ड्राफ्ट 2025: द हंड्रेड ड्राफ्ट का समापन हो गया है और बड़ी खबर ये है कि इंग्लैंड की इस लीग में एक भी पाकिस्तानी खिलाड़ी नहीं बिका है. द हंड्रेड में 45 खिलाड़ियों ने अपना नाम दिया था लेकिन एक भी टीम ने उनपर दांव नहीं लगाया. बड़ी बात ये है कि पाकिस्तान की पांच महिला खिलाड़ी जो कि महिला द हंड्रेड कंप्टीशन के लिए ड्राफ्ट में थीं, उन्हें भी कोई खरीदार नहीं मिला है. नसीम शाह, शादाब खान, हसन अली, शान मसूद, साइम अयूब जैसे खिलाड़ी द हंड्रेड में खेलना चाहते थे लेकिन इनको किसी ने नहीं खरीदा. ये खबर पाकिस्तान के क्रिकेट फैंस के लिए बहुत ही निराशाजनक है.द हंड्रेड' के 2025 सीजन के लिए हुए प्लेयर्स ड्राफ्ट में पाकिस्तान के किसी भी खिलाड़ी को जगह नहीं मिली. पुरुष ड्राफ्ट में पाकिस्तान के 45 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन किसी को भी टीमों ने नहीं चुना. यह फैसला कुछ हद तक चौंकाने वाला है, क्योंकि पिछले सीजन में पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने 'द हंड्रेड' में अच्छा प्रदर्शन किया था. उसामा मीर, हरीस रौफ, इमाद वसीम और शाहीन अफरीदी जैसे खिलाड़ी इस लीग में खेले थे.इस साल 'द हंड्रेड' में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है. इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने फ्रेंचाइजी में बाहरी निवेश को आमंत्रित किया और अब आठ में से चार फ्रेंचाइजी पर आईपीएल टीमों का मालिकाना हक है. सवाल ये है कि क्या आईपीएल फ्रेंचाइजियों की वजह से पाकिस्तान को नुकसान हुआ है? दरअसल साल 2008 के मुंबई हमलों के बाद से पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने की इजाजत नहीं दी गई है और इस बार द हंड्रेड में अचानक पाकिस्तानी खिलाड़ियों का गायब होना एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है. लेकिन यहां बड़ी बात ये है कि अन्य चार टीमें जिनका मालिकाना हक आईपीएल टीमों के पास नहीं है, उन्होंने भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों को क्यों नहीं खरीदा.

बांग्लादेशी क्रिकेटर महमूदुल्लाह का इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेशी प्लेयर महमूदुल्लाह ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बुधवार को महमुदुल्लाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर रिटायरमेंट एनाउंस किया। 39 साल के महमुदुल्लाह पहले ही 2021 में टेस्ट और 2024 में टी-20 से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने कुल 430 इंटरनेशनल मैच खेले। वनडे में महमूदुल्लाह बांग्लादेश के लिए चौथे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 36.46 की औसत के साथ 5689 रन बनाए, जिसमें 4 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे में बांग्लादेश के लिए महमूदुल्लाह से ज्यादा रन मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन और तमिम इकबाल के नाम हैं।

हर चीज का अंत सही तरीके से नहीं होता

महमूदुल्लाह महमूदुल्लाह ने अपनी पोस्ट पर लिखा, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं अपने सभी साथियों, कोचों और खासकर अपने फैंस को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया है। मेरे भाई इमदाद उल्लाह को बहुत-बहुत धन्यवाद, जो बचपन से ही मेरे कोच और गुरु के रूप में मेरे साथ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरी पत्नी और बच्चों को धन्यवाद, जो हर मुश्किल समय में मेरा साथ देते रहे हैं। मुझे पता है कि लाल और हरी जर्सी में मेरी कमी खलेगी। हर चीज का अंत बिल्कुल सही तरीके से नहीं होता, लेकिन आप हां कहते हैं और आगे बढ़ते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में हार के बाद टीम में जगह बनानी मुश्किल थी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद, महमूदुल्लाह और मुशफिकुर रहीम दोनों की नेशनल टीम में जगह सवालों के घेरे में आ गई थी। रहीम ने हाल ही में वनडे से संन्यास लिया और अब महमूदुल्लाह ने भी यही किया। इससे पहले, महमूदुल्लाह ने बोर्ड से अनुरोध किया था कि फरवरी 2025 के बाद उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के लिए न चुना जाए।

आईएमएल टी-20

19वें ओवर में निकल गए 3 विकेट फिर भी जीते ऑस्ट्रेलियाई मास्टर्स, रोमांच चरम पर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने 2 विकेट से जीत हासिल कर अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग टी20, 2025 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि इंग्लैंड मास्टर्स इस मैच से पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका था। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दर्शकों को अंत के ओवरों तक रोमांच देखने को मिला।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 209/3 का स्कोर बनाया। उनके बल्लेबाजों ने अहम योगदान दिया, जिसमें टिम एम्ब्रोस ने अर्धशतक बनाया और डैरेन मैडी ने 19 गेंदों पर 29 रन की तेज पारी खेली। इससे पहले कप्तान इयोन मोर्गन ने पूरा धमाल मचाया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के सभी गेंदबाजों की खबर ली और 32 गेंदो पर 5 चौके और 5 छक्कों की मदद से 64 रन बनाए। अंत में ब्रेसनेन ने 8 गेंदों पर 18 रन बनाकर स्कोर 209 तक पहुंचा दिया।

210 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 211/8 रन बनाकर मैच समाप्त हुआ। नाथन रियरडन ने शानदार 83 रनों की पारी खेलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि डेनियल क्रिश्चियन ने मात्र 20 गेंदों पर अर्धशतक बनाया, जो टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक था। महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाने के बावजूद, ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स अपने आक्रामक बल्लेबाजी दृष्टिकोण की बदौलत फिनिश लाइन को पार करने में सफल रहे। इंग्लैंड के लिए टिम ब्रेसनेन ने 45 रन देकर पांच विकेट लिए लेकिन यह काम न आ सके। अंक तालिका को देखा जाए तो फिलहाल श्रीलंका मास्टर्स पांच मैचों में चार जीत के साथ पहले नंबर पर बनी हुई है जबकि दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया मास्टर्स है। ऑस्ट्रेलिया ने पांच में से तीन मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है तो वहीं, विंडीज ने 5 मैचों में तीन जीत के साथ आगे कदम बढ़ाया है।

भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू पहले दौर में हारकर बाहर, कोरियाई खिलाड़ी ने तीन गेम में दी मात

बर्मिंघम, एजेंसी। पैर की मांसपेशियों में चोट के बाद वापसी कर रहीं 29 साल की सिंधू को एरेना बर्मिंघम में एक घंटे से कुछ अधिक समय चले मुकाबले में दुनिया की 21वें नंबर की खिलाड़ी किम के खिलाफ 21-19, 13-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बुधवार को ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर सकीं। स्टार महिला खिलाड़ी सिंधू को पहले दौर में कोरिया की किम गा युन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। सिंधू ने किम के खिलाफ पहला गेम जीता था, इसके बावजूद तीन गेम तक चले मैच में हारकर बाहर हो गईं।

सिंधू के लिए एक और निराशाजनक नतीजा

पैर की मांसपेशियों में चोट के बाद वापसी कर रहीं 29 साल की सिंधू को एरेना बर्मिंघम में एक घंटे से कुछ अधिक समय चले मुकाबले में दुनिया की 21वें नंबर की खिलाड़ी किम के खिलाफ 21-19, 13-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू ने इससे पहले किम के खिलाफ 2019 में हांगकांग ओपन में एकमात्र मुकाबले में जीत दर्ज की थी। सिंधू के लिए यह एक और निराशाजनक नतीजा है। जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 750 के क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद उसी महीने वह इंडोनेशिया मास्टर्स के पहले दौर से भी आगे बढ़ने में नाकाम रहीं थीं।

सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी ऑल इंग्लैंड के दूसरे दौर में

बर्मिंघम, एजेंसी। एशियाई खेलों की चैंपियन सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी राउंड ऑफ 16 के दौर में गुरुवार को चीन की हाओ नान जेई और वेई हान झेंग का सामना करेगी। भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंच गई है। सात्विक-चिराग ने डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टेरगार्ड को सीधे गेम में हराया। पिछले महीने पिता के निधन के बाद वापसी करने वाले सात्विक ने अपने जोड़ीदार चिराग के साथ मिलकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया और 40 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-15 से जीत दर्ज की।

रोहन-शिवानी दूसरे दौर में

सिंधू को भले ही महिला एकल वर्ग में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन मिश्रित युगल वर्ग में भारत के लिए नतीजा सुखद रहा। भारत के रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गाडे की जोड़ी नेजीत दर्ज कर ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी का सामना दूसरे दौर में येन झी फेंग और या शिन वेइ की चीन की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। रोहन और रुतविका की दुनिया की 40वें नंबर की जोड़ी ने यी होंग वेइ और निकोल गोंजालेस चैन की चीनी ताइपे की जोड़ी को एरेना बर्मिंघम में पहले दौर के मुकाबले में 21-10, 17-21, 24-22 से हराया।

ईशान किशन के लिए सबसे बड़ा अवसर हैः आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि मेगा नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा चुने जाने के बाद ईशान किशन के पास आगामी आईपीएल 2025 में अपने करियर को पुनर्जीवित करने का सबसे बड़ा अवसर है। चोपड़ा ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि कैसे किशन बल्ले से अपनी सिद्ध क्षमता के बावजूद राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के रडार से पूरी तरह से गायब हो गए हैं। चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, किसी भी कारण से वह रडार से पूरी तरह से गायब हो गए हैं। ऐसा लगता है कि कोई भी उनके बारे में बात नहीं कर रहा है या उनकी अहमियत को नहीं समझ रहा है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी खेला और वहां रन बनाए, वह सब कुछ कर रहे हैं, लेकिन कोई भी उनके बारे में बात नहीं कर रहा है। मुंबई इंडियंस द्वारा रिलीज किए गए किशन को पिछले नवंबर में आईपीएल नीलामी में स्र्ऋ ने 11.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। हालांकि, स्र्ऋ के पास पहले से ही अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड के रूप में एक मजबूत ओपनिंग जोड़ी है, जो पिछले सीजन के सबसे विस्फोटक ओपनर में से एक थे। इसका मतलब है कि किशन को तीसरे नंबर पर रखा जा सकता है, यह भूमिका उन्होंने कभी-कभार निभाई है, लेकिन यह उनकी स्वाभाविक स्थिति नहीं है। दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ वनडे दोहरा शतक (131 गेंदों पर 210 रन) बनाने के बावजूद किशन को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया, जबकि शुभमन गिल को सलामी बल्लेबाज के रूप में प्राथमिकता दी गई।

युजवेंद्र चहल और शिखर धवन को तलाक के बाद फिर हुआ प्यार!

चैंपियंस ट्रॉफी में दिखीं दोनों की रूमर्ड गर्लफ्रेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन का 2023 में ही तलाक हो चुका है. वहीं युजवेंद्र चहल के भी तलाक की अफवाह लंबे समय से चल रही है. इन सब के बीच दोनों को चैंपियंस ट्रॉफी में उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ देखा गया था. पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन का 2023 में ही तलाक हो चुका है. वहीं युजवेंद्र चहल के भी तलाक की अफवाह लंबे समय से चल रही है. इन सब के बीच दोनों को चैंपियंस ट्रॉफी में उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ देखा गया था. बता दें कि युजवेंद्र चहल ने धनश्री वर्मा से 2020 में शादी की थी. वहीं पिछले साल से दोनों के बीच तलाक की अफवाह सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों पिछले कुछ समय से अलग रह रहे हैं. वहीं शिखर धवन ने आयशा मुखर्जी से 2012 में शादी की थी. दोनों का जोरावर नाम का एक बेटा भी है. शादी के 11 साल बाद धवन ने 2023 में आयशा को तलाक दे दिया. इन सबके बीच दावा किया जा रहा है कि चहल और धवन एक बार फिर प्यार में पड़ गए हैं.

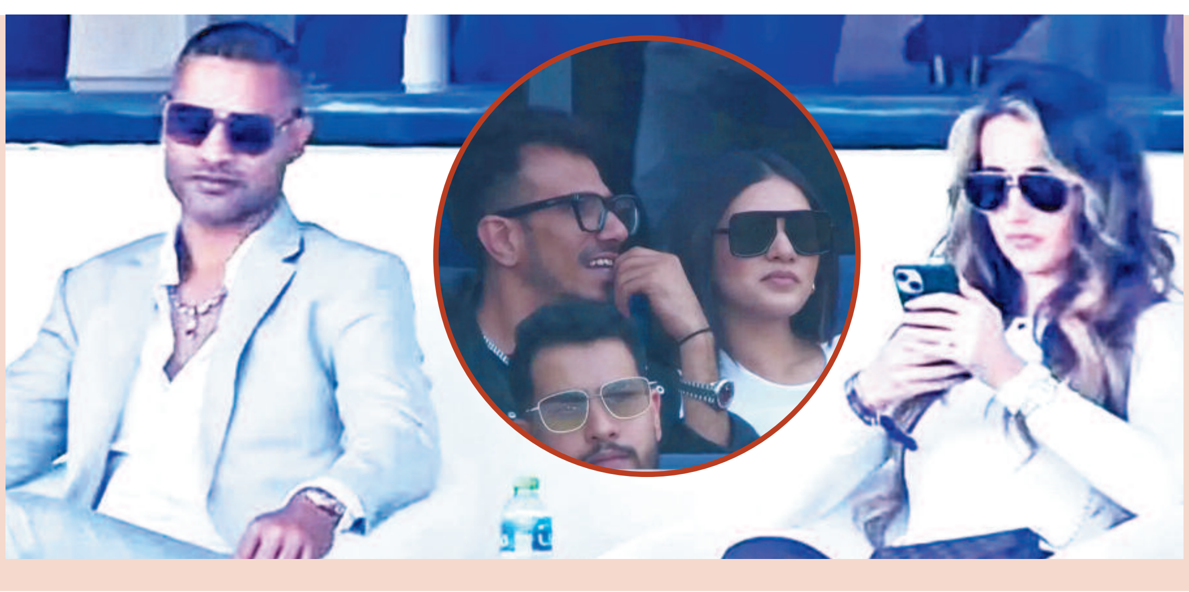

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान दोनों ही खिलाड़ियों को उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ मैच का लुत्फ उठाते देखा गया था. जहां भारत-बांग्लादेश मैच में शिखर धवन सोफे पर बैठकर मैच देख रहे थे, उनके बगल में एक लड़की बैठी थी. जिसके साथ उनका फोटो वायरल होने लगा. रिपोर्ट्स के मुताबिक जिस लड़की के साथ धवन को देखा गया उसका नाम सोफी शाइन है. बता दें कि धवन उनको सोशल मीडिया पर फॉलो भी करते हैं. हालांकि दोनों के तरफ से इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. वहीं चहल चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत को सपोर्ट करने के लिए दुबई पहुंचे थे. जहां पर उनके साथ आरजे महवश बैठी थी. जिसके बाद से सोशल मीडिया पर बात फैलने लगी की चहल, महवश को डेट कर रहे हैं. यह पहली बार नहीं है जब दोनों के रिलेशनशिप की अफवाह फैल रही है. इससे पहले पिछले साल क्रिसमस के दौरान भी रूमर्स फैली थी. हालांकि दोनों ने रिलेशनशिप को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है.

दीवानियत में हुई सोनम बाजवा की एंट्री

हर्षवर्धन राणे के साथ आएंगी नजर

सनम तेरी कसम को री रिलीज के दौरान मिली जबरदस्त सफलता ने एक बार फिर से इसके नायक हर्षवर्धन राणे को बॉलीवुड के चर्चित सितारों में शामिल करवा दिया है। हर्षवर्धन राणे को लेकर एक और प्रेम कहानी दीवानियत शुरू की गई है। यह फिल्म अपनी घोषणा के साथ ही चर्चाओं में आ गई है। अब इस फिल्म में सोनम बाजवा की एंट्री हो गई है। 'सनम तेरी कसम' फेम अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दीवानियत को लेकर लाइमलाइट में हैं। फिल्म के डायरेक्टर मिलाप मिलन जावेरी हैं। अमूल मोहन और अंशुल मोहन इस फिल्म के निर्माता हैं। इस बीच खबर है कि फिल्म में एक्ट्रेस सोनम बाजवा की एंट्री हो गई है। इस लव स्टोरी फिल्म में सोनम की जोड़ी हर्षवर्धन के साथ बनी है। यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। सोनम ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें सोनम बोल रहीं हैं, तेरा प्यार, प्यार नहीं, मेरी जिद है, जिसे तू पार कर रहा है, वो हर हद की हद है, जल जाऊंगी, मिट जाऊंगी, पर खाती हूं मैं कसम, तेरे इश्क में झुक जाऊं मैं भी वो सनम। तेरे लिए मेरे दिल में मोहब्बत नहीं, नफरत है, तुझे तबाह जो कर देगी, वो मेरी दीवानियत है। सोनम ने इसके कैप्शन में लिखा, दीवानियत में प्यार की आग लाने के लिए बहुत रोमांचित हूं। जुनून और दिल टूटने की एक गहन गाथा, जिसमें अद्भुत हर्षवर्धन राणे के साथ अभिनय किया है। प्यार के इस पागलपन को देखने के लिए आप सभी का इंतजार नहीं कर सकती। दीवानियत की शूटिंग इसी महीने शुरू होगी और यह फिल्म इस साल के अंत तक सिनेमाघरों में

खुली आंखों से सपना देखने जैसा है...

माधुरी को परफॉर्म करते देखना: गजराज राव

अभिनेता गजराज राव ने सोशल मीडिया पर माधुरी दीक्षित के एक वीडियो को शेयर कर उनकी कला के खास अंदाज में प्रशंसा की। राव ने बताया कि अभिनेत्री को सामने से प्रस्तुति करते देखना खुली आंखों से सपना देखने जैसा है। अभिनेत्री के एक नृत्य करते वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए गजराज राव ने कैप्शन में लिखा, माधुरी दीक्षित को स्टेज पर परफॉर्म करते देखना ऐसा है जैसे, आपने खुली आंखों से कोई मायावी सपना देखा हो। अभिनेता ने आगे लिखा, उन्होंने जयपुर में आईफा के दौरान जादुई समा बांध दिया। आपके शहर में माधुरी जी कभी लाइव शो करें तो जरूर जाइएगा...मैं तो जाऊंगा। शेयर किए गए वीडियो में माधुरी दीक्षित साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'पद्मावत' के गाने 'घूमर' गाने पर नृत्य करती नजर आ रही हैं। दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, शाहिद कपूर, अदिति राव हैदरी और जिम सर्भ स्टारर फिल्म के मूल गाने में दीपिका ने डांस किया है। श्रेया घोषाल और स्वरूप खान ने 'घूमर' गाने में अपनी आवाज दी है, गाने में दीपिका ने चित्तौड़गढ़ किले के सेट पर पारंपरिक राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत की थीं।

यह कोई पहली बार नहीं है जब गजराज ने किसी अभिनेत्री की तारीफ की है। इससे पहले वह 'अर्जुन रेड्डी', 'महाराज' ओटीटी शो 'डब्बा कार्टेल' , दुपहिया समेत अन्य में शानदार काम कर छाईं शालिनी पांडे के साथ ही लापता लेडीज की अभिनेत्री शिवानी रघुवंशी की भी तारीफ करते नजर आए थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो गजराज की हाल ही में रेणुका शहाणे के साथ 'दुपहिया' वेब सीरीज आई है। काल्पनिक गांव धड़कपुर पर आधारित इस सीरीज में गजराज, रेणुका के साथ भुवन अरोड़ा, स्पर्श श्रीवास्तव, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलोना बैंस जोशी और शुभ शिवदासानी के बैनर बॉम्बे फिल्म कार्टेल ने सीरीज का निर्माण किया है। वहीं, निर्देशन सोनम नायर ने किया है।

रणबीर कपूर का सरनेम भूले आमिर खान, नाराज हुए 'रॉकस्टार'

बी-टाउन के गलियारे में आमिर खान और रणबीर कपूर के बीच टकराव देखने को मिला, जहां खान, कपूर का सरनेम ही भूल गए, लिहाजा अभिनेता उनसे नाराज हो गए। आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें कई सितारे एक साथ नजर आए। वीडियो में रणबीर कपूर और आमिर खान, अरबाज खान के साथ भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन समेत अन्य हस्तियां नजर आईं। वीडियो में मजेदार मोड़ तब आता है, जब आमिर खान, रणबीर का सरनेम भूल जाते हैं और गलती से उन्हें रणबीर सिंह कह देते हैं। यह सुपरस्टार की नाम भूलने की आदत का (गजनी) संदर्भ है। वीडियो की शुरुआत ऋषभ पंत द्वारा आमिर से रणबीर के साथ एक फोटो खिंचवाने की इच्छा के साथ होती है। आमिर, रणबीर के पास जाते हैं और ऋषभ पंत के सामने उनकी तारीफ करते हैं। हालांकि, वे गलती से उन्हें रणबीर सिंह कह देते हैं। इससे रणबीर भड़क जाते हैं और फिर कई मजेदार घटनाएं होती हैं और हार्दिक पांड्या यहां तक कह देते हैं कि आमिर ने नाम भूलने की आदत के कारण रायता फैलाया है। वीडियो में 'एनिमल' के एक डायलॉग का जिक्र है, जिसमें रणबीर कहते हैं, सुनाई दे रहा है बहरा नहीं हूं मैं। इस पर आमिर कहते हैं, चलो मैदान पर तय करते हैं और फिर वह ड्रीम 11 बेटिंग ऐप पर 'रणबीर 11' और 'आमिर 11' का आइडिया पेश करते हैं।

मार्वल में वापसी नहीं करेंगी स्कारलेट जॉनसन

स्कारलेट जॉनसन ने मार्वल में वापसी की संभावना से किया इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि फिल्म में उनका किरदार मर चुका है और उसकी वापसी नहीं हो सकती है। हॉलीवुड अभिनेत्री स्कारलेट जॉनसन चाहती हैं कि मार्वल के प्रशंसक इस फैक्ट को स्वीकार करें कि उनका सुपरहीरो किरदार ब्लैक विडो मर चुका है। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में क्रॉसओवर और बदलते समय के साथ प्रशंसकों के पसंदीदा किरदार के मरकर भी दोबारा वापस आने की संभावना हमेशा बनी रहती है, लेकिन स्कारलेट जॉनसन ने कहा कि नताशा रोमानोफ के साथ ऐसा नहीं होगा। नताशा रोमनॉफ उनके एवेंजर्स किरदार का असली नाम है।

अभिनेत्री का आखिरी सीन

नताशा को 2019 की एवेंजर्स- एंडगेम में मार दिया गया था और अभिनेत्री ने 2021 की प्रीक्वल फिल्म ब्लैक विडो में मुख्य भूमिका निभाई, जो एमसीयू में उनकी आखिरी उपस्थिति थी। उन्होंने कहा कि प्रशंसकों को सुपरहीरो को जाने देना चाहिए। नताशा मर चुकी है। वह मर चुकी है। वह मर चुकी है। ठीक है? प्रशंसक बस इस पर विश्वास नहीं करना चाहते।

दिया मिर्जा ने सुनाया किस्सा; बोलीं- कपड़े भी...

सलमान की फिल्म के सेट पर इज्जत नहीं मिली

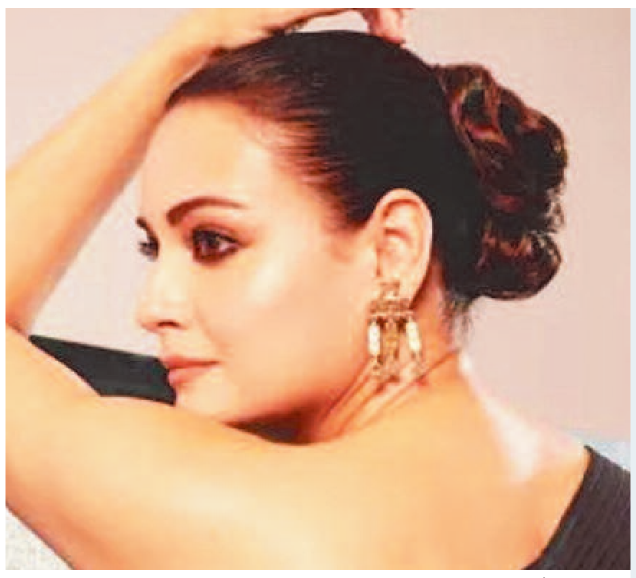

बॉलीवुड अभिनेत्री दिया मिर्जा ने सलमान खान अभिनीत फिल्म 'तुमको ना भूल पाएंगे' के सेट से जुड़ी बातें बताई। कहा कि वहां लोगों को उनकी कोई परवाह नहीं थी। उन्होंने बताया कि उनका किरदार कुछ था पर अभिनय कुछ और कराया जा रहा था। हाल ही में अभिनेत्री ने सलमान खान की फिल्म सेट से जुड़े अपने अनुभवों को शेयर किया है। इसमें उन्होंने सेट महिलाओं के काम करने के माहौल के बारे में बताया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि सेट पर उनके सवाल पूछने पर उन्हें चुप करा दिया गया था। फिल्म में इतने दिग्गज क्रू मेंबर्स के बावजूद ऐसे व्यवहार ने उन्हें चौंका दिया था। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या बातें बताईं।

➢महिलाओं का नहीं दिया गया ध्यान

अभिनेत्री दिया मिर्जा ने फिल्मो में महिलाओं के काम करने के माहौल के बारे में जूम से बात की। इस दौरान उन्होंने सलमान खान अभिनीत फिल्म 'तुमको ना भूल पाएंगे' का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां दिग्गज क्रू सदस्य होने के बावजूद महिलाओं का ध्यान नहीं दिया गया। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें स्क्रिप्ट भी आसानी से नहीं मिलती थी। वहां कोई वर्कशॉप नहीं था, कोई रीडिंग नहीं थी। उनका किरदार राजस्थान से था, लेकिन वह भोजपुरी बोल रही थी और डायलॉग भी उन्हें कुछ देर पहले मिलते थे। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि सबकुछ जल्दबाजी में होता था, अभिनय के लिए उनके कपड़े तुरंत सिल दिए जाते और सेट पर आ जाते थे।

दुबई पुलिस के साथ मिलकर कामगारों को बांटी इफ्तारी

राखी की नेक दिली ने जीता फैंस का दिल

राखी सावंत इन दिनों दुबई में हैं। रमजान का महीना चल रहा है। ऐसे में बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन ने वहां अपनी नेकदिली से फैंस का दिल जीत लिया है. रमजान का महीना चल रहा है। तमाम लोग रोजेदारों की सेवा के लिए आगे आ रहे हैं। इन दिनों दुबई में रह रहीं बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने भी अपनी नेकी से दिल जीत लिया। उन्होंने हाल ही में दुबई पुलिस के साथ मिलकर श्रमिकों को इफ्तार का खाना वितरित किया।

20 लोगों के लिए उमराह यात्रा की स्पॉन्सर:

इतना ही नहीं, राखी सावंत ने रमजान के महीने में उमराह के लिए भी 20 लोगों के लिए निजी तौर पर प्रबंध किया है। राखी सावंत ने दुबई में 10 भारतीय और 10 पाकिस्तानी नागरिकों के लिए उमराह यात्रा का प्रबंध अपने खर्चे पर किया। राखी सावंत ने कहा कि वे हर साल अपनी आमदनी का एक हिस्सा नेक कामों के लिए खर्च करेंगी।

श्रमिकों को खाना वितरित किया:

राखी सावंत का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे श्रमिकों को इफ्तार का खाना बांटती दिख रही हैं। राखी सावंत ने दुबई पुलिस के साथ मिलकर सैकड़ों श्रमिकों को खाना वितरित किया। यह वीडियो लाइफी मीडिया के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। राखी सावंत काले रंग का बुर्का पहने नजर आ रही हैं।

'माई मेलबर्न' ऐसी फिल्म है, जिसे हर किसी को देखनी चाहिए: कार्तिक आर्यन

अभिनेता कार्तिक आर्यन एंथोलॉजी 'माई मेलबर्न' की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है, जो हर किसी को देखनी चाहिए। स्क्रीनिंग में मलाइका अरोड़ा भी शामिल हुईं। कबीर खान, इम्तियाज अली, ओनिर और रीमा दास - चार फिल्म निर्माताओं के निर्देशन में बनी 'माई मेलबर्न' में चार कहानियां हैं, जो नस्ल, लिंग भेद और विकलांगता पर बनी है।

मुंबई के एक थिएटर में आयोजित स्क्रीनिंग में पहुंचे कार्तिक आर्यन ने कहा, यह भारत के सबसे पसंदीदा फिल्म निर्माताओं की एक शानदार फिल्म है। फिल्म में जोश के साथ संवेदनाएं और मानवता का पुट भी है। मैं खुश हूं कि मुझे यह फिल्म देखने का मौका मिला। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे हर किसी को देखनी चाहिए और खूब प्यार देना चाहिए। फिल्म निर्माता मीतू भौमिक लांगे की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, दर्शक 'माई मेलबर्न' को खूब पसंद करेंगे। मुझे 'माई मेलबर्न' की पूरी टीम से प्यार है और मीतू को बहुत-बहुत धन्यवाद जो इस फिल्म की रीढ़ हैं। मीतू ने कबीर सर, इम्तियाज सर, ओनिर सर और रीमा मैम जैसे फिल्म निर्माताओं के साथ इस फिल्म को शानदार बनाने के लिए अपना बेस्ट दिया है.

विश्लेषण से पता चला राज

इसलिए सबसे ज्यादा खूबसूरत औरतों में शामिल हैं ऐश्वर्या

एक चेहरा पढ़ने वाली मशीन ने ये पता लगाने की कोशिश की है कि ऐश्वर्या राय इतनी खूबसूरत कैसे हैं। ऐश्वर्या की खूबसूरती बताते हुए एक पोस्ट साझा की गई है। इस पर लोग कमेंट कर रहे हैं। ऐश्वर्या राय दुनिया की सबसे खूबसूरत औरतों में से एक हैं। उन्होंने साल 1994 में मिस वर्ड का खिताब अपने नाम किया था। यहां भी उन्होंने खूब कामयाबी हासिल की है। हाल ही में एक चेहरा पढ़ने वाले टूल ने ऐश्वर्या राय का चेहरा पढ़ा है।

चेहरा पढ़ने वाली ने बताई ऐश्वर्या की खूबसूरती

क्वोव्स स्टूडियो ने अपनी एक ताजी पोस्ट में ऐश्वर्या के बारे में लिखा है।

एक वायस ओवर ने ऐश्ववर्या के बारे में बताया है कि ऐश्वर्या के पास खूबसूरत चेहरा है, इसे बहुत अच्छी तरह से पढ़ा गया है और ये जानने की कोशिश की गई है कि वो कौन सी चीजें हैं जो ऐश्वर्या को इतना खूबसूरत बनाती हैं।

औरतों जैसा दिखता है ऐश्वर्या का चेहरा

स्टडी ने बताया कि ऐश्वर्या की धनुषाकार भौहें, कम हेयरलाइन, भरे हुए होंठ और बड़ी आंखें हैं। उसकी साइड प्रोफाइल में एक सीधा, और सपाट माथा है। इसे जब ध्यान में रखा जाता है, तो वह चेहरे की खूबसूरती को और बढ़ा देता है। चेहरे का औरत जैसा दिखना महिलाओं की सुंदरता की आधारशिला है। ऐसे में ऐश्वर्या का चेहरा सबसे ज्यादा औरत जैसा दिखने वाले चेहरों में से एक है।

साभार एजेंसी